RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:278 ता. 01 मई 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

लुधियाना की फैक्ट्री में जहरीली गैस लीक, 9 की मौत; 11 से अधिक अस्पताल में भर्ती

चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में एक फैक्ट्री में हुए गैस लीक के बाद कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई है। इसमें बच्चे भी शामिल हैं। इसके बाद अफरा-तफरी का माहौल है। एक किलोमीटर तक का इलाका सील कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि कई लोग बेहोश हो गए हैं। उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ। गैस लीक की खबर मिलने के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। जानकारी के मुताबिक शेरपुर चौक के पास सूआ रोड पर स्थित फैक्ट्री में गैस लीक हुई। मौके पर डॉक्टरों की टीम भी पहुंची है। इसके अलावा ऐंबुलेंस तैनात की गई हैं। एनडीआरएफ की टीम भी भटिंडा से रवाना हो गई है। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक गोयल मिलक प्लांट में यह गैस रिसाव हुआ। इस गैस का इस्तेमाल कूलिंग के लिए किया जाता था। इसके बाद आसपास रहने वाले लोग बेहोश होने लगे। यहां मौजूद लोगों के मुताबिक गैस लीक के बाद भगदड़ जैसी स्थित बन गई। लोगों को पता चलने के बाद लोग भागने लगे। लोग भागकर उस इलाके से दूर चले गए। एक शख्स ने बताया कि कई लोगों का शरीर गैस की वजह से नीला पड़ गया। पुलिस ने लोगों से यहां से निकलने को भी कहा है। वहीं लोगों से कहा गया है कि इस इलाके में आना खतरनाक हो सकता है। गैस लीक वाली जगह से 300 मीटर के दायरे में लोगों को सांस लेने भी दिक्कत हो रही है। लोगों की मदद के लिए कई सामाजिक संगठन भी ऐक्टिव हो गए हैं।

पीएम मोदी का ऐतिहासिक संबोधन, बोले- हर बात बन गई जन आंदोलन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के अंतरगत देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के %मन की बात% के 100वें एपिसोड को लेकर मेगा तैयारी की गई है। देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी कई जगहों पर इसके प्रसारण की व्यवस्था की गई है। लंदन से लेकर यूएन के मुख्यालय तक में इस कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा। भाजपा इसे मेगा इवेंट बना रही है। इस एपिसोड का लाइव ब्रॉडकास्ट देशभर में बूथ स्तर पर चाल लाख सेंटरों पर किया जा रहा है।

संबोधन में क्या बोले पीएम मोदी

मेरे प्यारे देशवासियों, नमस्कार, आज मन की बात का 100वां एपिसोड है। मुझे आप सब के लाखों संदेश मिले हैं। मैंने कोशिश की है कि ज्यादा से ज्यादा संदेशों को समझ सकूं। आपके पत्र पढ़ते हुए कई बार मैं भावुक हो गया। भावनाओं में बह गया। फिर खुद को संभाला भी। आपने मुझे मन की बात के 100वें एपिसोड की बधाई दी लेकिन बधाई के पात्र तो आप सभी श्रोता हैं। आप सभी देशवासियों का धन्यवादा।

साथियो, 3 अक्टूबर 2014 विजयदशमी के पर्व पर हम सबने मिलकर यह यात्रा शुरू की थी। इसका मतलब है बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। कई बार यकीन नहीं होता कि मन की बात को इतने महीने और इतने साल गुजर गए। हर एपिसोड अपने आप में खास रहा। हर बार नवीनता, हर बार नई सफलताओं का विस्तार। देश के कोने-कोने से लोग जुड़े। हर आयुवर्ग के लोग जुड़े। स्वच्छ भारत आंदोलन, बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ, आजादी का अमृत महोत्सव हो, मन की बात की हर बात बन गई जन आंदोलन। मन की बात दूसरे के गुणों से सीखने का माध्यम बन गई है। इस कार्यक्रम में मुझे कभी आपसे दूर नहीं होने दिया। यहां आने के बाद मुझे लगा कि यहां का जीवन अलग है। शुरुआती दिनों में मैं खाली खाली महसूस करता था। 50 साल पहले अपना घर इसलिए नहीं छोड़ा था कि अपने ही देश के लोगों से संपर्क कट जाएगा। मन की बात ने मुझे इस चुनौती का समाधान दिया। सामान्य लोगों से जुड़ने का रास्ता दिया। पदभार व्यवस्था तक सीमित रहा, लेकिन जनभाव कोटि कोटि जनों के साथ मेरे भाव विश्व का अटूट अंग बन गए। हर महीने मैं देशवासियों के अद्भुत स्वरूप का दर्शन करता हूं। मैं देशवासियों की मेहनत की पराकाष्ठा को देखता हूं. मुझे लगता ही नहीं है कि मैं आपसे थोड़ा भी दूर हूं। मेरे लिए यह कार्यक्रम नहीं है बल्कि एक आस्था, पूजा और व्रत है। जैसे लोग ईश्वर की पूजा करते हैं तो प्रसाद की थाल लाते हैं। मेरे लिए मन की बात ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के चरणों में प्रसाद की थाल की तरह है। मन की बात अहम से समष्टि की यात्रा है। आप कल्पना करेंगे कि मेरा कोई भी देशवासी 40 साल से निर्जन पहाड़ी पर पेड़ लगा रहे हैं। कितने ही लोग जल संरक्षण के लिए तालाब बना रहे हैं। उसकी सफाई कर रहे हैं। कोई 30 साल से बच्चों को पढ़ा रहा है। कोई गरीबों की मदद कर रहा है। कितनी ही बार मन की बात में इनका जिक्र करते हुए मैं भावुक हो गया। आकाशवाणी के साथियों को इसे फिर से रिकॉर्ड करना पड़ा। आज पिछला कितना ही कुछ आंखों के सामने आए जा रहा है। देशवासियों ने मुझे खुद को खपाने की प्रेरणा दी है। हम इसमें जिन लोगों का जिक्र करते हैं, वे हमारे हीरो हैं जिन्होंने इसे जीवंत बनाया है। मेरी इच्छा है कि एक बार फिर उनके पास जाकर उनकी यात्रा के बारे में जानें। मेरे साथ जुड़ रहे हैं हरियाणा के सुनील जबरान जी। उनका प्रभाव इसलिए पड़ा क्योंकि हरियाणा में जेंडर रेशियो की चर्चा हुई। सुनील जी के सेल्फी विद डॉटर कैंपेन पर नजर पड़ी तो बहुत असर पड़ा। यह एक ग्लोबल कैंपेन में बदल गया। इसका मुद्दा बेटी को प्रमुखता देने का था। जीवन में बेटी का स्थान कितना बड़ा होता है, इस अभियान से पता चला। ऐसे अनेक प्रयास का परिणाम है कि हरियाणा में जेंडर रेशियो सुधरा है।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी सुनील जबरान जी से बात करते हैं।

बता दें कि पीएम मोदी का यह कार्यक्रम सबसे पहले 3 अक्टूबर 2014 को प्रसारित किया गया था। उसके बाद से अब तक हर महीने के आखिरी रविवार को इसका प्रसारण किया जाता है। आकाशवाणी इसकी रिकॉर्डिंग करता है और फिर प्रसारित करता है। आकाशवाणी और दूरदर्शन के अलावा प्राइवेट चैनल भी इसे प्रसारित करते हैं। इस कार्याक्रम का प्रसारण 23 भाषाओं में किया जाता है।

आजमगढ़ में भीषण सड़क हादसा, पांच मरे, एक गंभीर

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के अहरौला क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार के ट्रैक्टर ट्राली से टकराने से तीन महिलाओं समेत पांच लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर स्टोन नंबर 213 के करीब शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे यह हादसा उस समय हुआ जब लखनऊ से गाजीपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार बोलेरो बांस लदे एक ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टकरा गयी। इस हादसे में बोलेरो में सवार तीन महिलाओं समेत पांच लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र लाल ने रविवार को बताया कि हादसे में कैलाश (45),दुक्खी (43),गुड्डी (40),रानी (11) और नीतू (38) की मृत्यु हो गयी। कैलाश और नीतू पति पत्नी है। घायल किरण (40) नामक महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया जहां से वाराणसी स्थित हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घायल और मृतक सभी देवरिया जिले के महुआडीह के निवासी हैं। ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में ले लिया गया है। चालक को हिरासत में ले लिया गया है। पीड़ितों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

उत्तर प्रदेश में अगले 4-5 दिनों तक होगी झमाझम बारिश, बिहार-झारखंड में लू चलने के आसार

नई दिल्ली। ग्लोबल वार्मिंग के चलते मौसम खासकर बारिश का पैटर्न लगातार बदल रहा है। कहां, बारिश तो कहीं लू के आसार दिख रहे हैं। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी में अगले चार-पांद दिनों तक उत्तर प्रदेश के लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती हैं। यहां बारिश का पूर्वानुमान किया गया है। ईरान-इराक में शुरू होकर अफगानिस्तान से होते हुए पाकिस्तान तक पहुंच चुके पश्चिमी विक्षोभ को चक्रवतीय हवा के दवाब का साथ मिलने के कारण उत्तर प्रदेश समेत देश के पश्चिमी हिस्सों के मौसम का मिजाज बदल गया है। वहां, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मई महीने में लू की चेतावनी भी जारी की गई है। उत्तर प्रदेश में अप्रैल में ही 40 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका पारा 35-36 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। मौसम विभाग बता रहा है कि अगले चार-पांच दिनों तक पूरे राज्य में ऐसा ही सुहाना मौसम रहेगा। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। तीस से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से धूल भरी आंधी चल सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण राज्य भर का तापमान चार से आठ डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। पूरे राज्य में शनिवार को बादलों की आवाजाही लगी रही। झांसी, कानपुर, बदायूं, हरदोई, लखीमपुर आदि जिलों में कई स्थानों पर बौछारें भी पड़ीं। लखनऊ में मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में कहीं भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं रहा। झांसी जैसे गर्म जिले का तापमान तो 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आगरा, अलीगढ़ का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आगरा में तो सामान्य से नौ डिग्री सेल्सियस के कम तापमान रहा। ऊरई में भी सामान्य से 7.4 कम यानी 32 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। लखनऊ में दिन का तापमान 34.8 यानी सामान्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस कम रिकार्ड किया गया।

वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट पर बेची जा रहीं अश्लील किताबें, गाजियाबाद में एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद। ई-कॉमर्स साइट पर अश्लील किताबें बेचने के आरोप में वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट कंपनी और इनके निदेशकों समेत दो प्रकाशकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गाजियाबाद के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश पर एडवोकेट गौरव शर्मा की तरफ से मधुबन बापूधाम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस के अनुसार, संजयनगर में रहने वाले एडवोकेट गौरव ने बताया कि ढाई साल पहले किसी ने जानकारी दी थी कि फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियां अश्लील सामग्री वाली किताबें बेचती हैं। इसके बाद राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस कंपनी को इस मामले में नोटिस दिया था। फरवरी 2022 में कुछ किताबों के बारे में जानकारी मिली, जो फ्लिपकार्ट पर हजारों रुपये में बेची जा रही थीं। किताबों के साथ एक नाम लिखा था, जिसकी वेबसाइट पर भी सैकड़ों मॉडल की आपत्तिजनक तस्वीरें थीं। उन्होंने 2700 रुपये में किताबें खरीदीं, जिन्हें इंस्टाकार्ट ने डिलीवर किया। उन्होंने छह माह पूर्व तत्कालीन एसएसपी को शिकायत दी, लेकिन केस दर्ज नहीं हुआ। इस कारण उन्हें कोर्ट में याचिका डालनी पड़ी। इस केस में वॉलमार्ट, फ्लिपकार्ट, फ्लिपकार्ड इंडिया प्रा. लि. फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्रा.लि. फ्लिपकार्ट मार्केट प्लेस प्रा.लि. इंस्टाकार्ट सर्विसेज प्रा. लि. अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. और इनके निदेशक और प्रकाशक समेत 53 को आरोपी बनाया गया है।

Walmart
Supercentre
flipkart.com

दिल्ली से चलेगी एक और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, आगरा से जोड़ेगी कई शहर; यह होगा रूट

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड जल्द ही दिल्ली से खजुराहो के बीच एक और वंदे भारत ट्रेन दौड़ाने की तैयारी कर रहा है। मई माह में इस ट्रेन का ट्रायल किया जा सकता है। ट्रायल दिल्ली से आगरा के बीच के रेल खंड पर किया जाएगा। इस वंदेभारत का संचालन दिल्ली से ग्वालियर, झांसी होते हुए खजुराहो तक किया जाएगा। इस ट्रेन के चलने से ताजनगरी का खजुराहो से सीधे नाता हो जाएगा। यात्रियों को भी लक्जरी ट्रेन मिल सकेगी। क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आगरा को एक और वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिल सकती है। रेलवे के सूत्रों का कहना है कि ट्रेन का ट्रायल दिल्ली-आगरा रेल खंड पर मई के पहले या चौथे सप्ताह में होगा। ट्रेन को 150 से 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ाया जाएगा। दिल्ली खंड पर अब तक वंदे भारत के दो ट्रायल हो चुके हैं। पहला ट्रायल सितंबर 2022 में हुआ था।

क्या होगा रूट

यह ट्रेन दिल्ली से चलकर ग्वालियर होते हुए झांसी जाएगी और फिर खजुराहो तक जाएगी। इस ट्रेन के चल जाने के बाद ताजनगरी आगरा का संबंध सीधे खजुराहो से हो जाएगा जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

बता दें कि देश में अब तक कई वंदे भारत ट्रेनों का उद्घाटन हो चुका है। ऐसे में देश की तरक्की को एक नई दिशा देने के लिए सरकार ने नए-नए रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस चला रही है। इससे लोग ज्यादा दूरी कम समय में तय कर सकेंगे क्योंकि इसकी रफ्तार ज्यादा है। वंदे भारत एक्सप्रेस 150-160 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती है।

इससे पहले दिल्ली-भोपाल के लिए एक वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन पीएम मोदी ने किया था। यह वंदे भारत ट्रेन भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से चलकर दिल्ली के निजामुद्दीन स्टेशन तक जाएगी। और यहीं से दोबारा रानी कमलापति स्टेशन भोपाल के लिए रवाना होगी। बता दें कि दिल्ली और जयपुर के लिए भी पिछले दिनों एक मेट्रो ट्रेन का उद्घाटन पीएम मोदी द्वारा किया गया था। यह ट्रेन जयपुर से चलकर दिल्ली पहुंची थी। हालांकि, इसका रूट दिल्ली से चलकर जयपुर होते हुए अलवर के रास्ते अजमेर तक है। देश की पहली वंदे भारत ट्रेन दिल्ली से वाराणसी के लिए चलाई गई थी। इसके बाद देश को कई वंदे भारत ट्रेनों की सौगात मिल चुकी है। बता दें कि देश की रेलवे व्यवस्था को एक नई पहचान देने वाली इस ट्रेन को और भी रूटों पर चलाने की योजना है जिसे चरणवार पूरी किया जा रहा है।

नीतीश सरकार को उन्हें छोड़ना ही होगा, आनंद मोहन के बाद प्रभुनाथ और अनंत सिंह की रिहाई की मांग

पटना। बिहार सरकार के एक फैसले को पलटने के बाद माफिया डॉन से राजनेता बने आनंद मोहन सिंह की हाल ही में जेल से रिहाई हुई है। उन्हें कोर्ट ने एक आईएएस अधिकारी की हत्या का दोषी ठहराया था। उन्हें आजीवन कारावास की सजा मिली थी। हालांकि, बिहार सरकार ने एक कानून में संसोधन कर उनकी रिहाई का रास्ता आसान कर दिया। आनंद मोहन की रिहाई के बाद बिहार के कुछ और बाहुबली नेताओं की रिहाई की मांग उठने लगी है। यह नीतीश कुमार की सरकार की बेचैनी बढ़ाने वाली मांग साबित हो सकती है।

लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल से ताल्लुक रखने वाले एक और पूर्व सांसद प्रभानाथ सिंह के साथ-साथ मोकामा से पूर्व विधायक अनंत सिंह को भी सजा से मुक्त करने के लिए आवाज उठाई जाने लगी है। अनंत सिंह जहां भूमिहार जाति से आते हैं वहीं, आनंद मोहन की तरह प्रभुनाथ सिंह भी राजपूतों के नेता हैं।

आनंद मोहन की रिहाई का हवाला देते हुए पटना में प्रभुनाथ और अनंत सिंह की जल्द रिहाई की मांग करते हुए कई पोस्टर लगाए गए हैं। उनके समर्थकों ने उन्हें मुक्त कराने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। आपको यह भी बता दें कि पूर्व सांसद को फायदा पहुंचाने के लिए जेल नियमों में बदलाव करने के लिए बिहार सरकार की काफी आलोचना भी हो रही है।

जनता दल के तत्कालीन विधायक अशोक सिंह की 3 जुलाई, 1995 को उनके पटना आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस केस में प्रभुनाथ सिंह को मई 2017 में हजारीबाग की एक अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

वहीं, मोकामा से पांच बार के विधायक अनंत को 10 साल की सजा सुनाई गई थी। अगस्त 2019 में अनंत सिंह के घर हुई छापेमारी के दौरान उनके आवास से एक एके-47 राइफल और अन्य हथियार जब्त किए गए थे। वह आर्म्स एक्ट के मामले में भी जेल की सजा काट रहे हैं। दोनों बाहुबली नेताओं की रिहाई के लिए चलाए जा रहे अभियान का नेतृत्व कृष्णा सिंह कल्लू कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार को मीडिया को बताया कि वह ऊंची जाति के नेताओं के लिए लड़ने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं। स्वर्ण क्रांति दल के प्रमुख होने का दावा करने वाले कल्लू ने कहा, राज्य सरकार को उन्हें छोड़ना ही पड़ेगा। वहीं, सत्तारूढ़ महागठबंधन के नेताओं ने ऐसी मांगों को खारिज कर दिया। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव राजीव रंजन ने कहा, ÷इसका कोई मतलब नहीं है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत आनंद को जेल से रिहा किया गया। इन नेताओं ने अपनी जेल की अवधि पूरी नहीं की है।

बिहार : फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में युवक गिरफ्तार

पूर्णिया। बिहार में पूर्णिया जिले के रहने वाले एक युवक को फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार किया गया। हालांकि उसने दावा किया कि उसका सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर लिया गया था। पूर्णिया के पुलिस अधीक्षक आमिर जावेद के अनुसार, शकील अहमद (19) को शहर के कालीगंज इलाके में उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। इस फेसबुक पोस्ट में कथित रूप से कहा गया था कि भारत बनेगा पाकिस्तान।' शकील ने कहा कि उसे फेसबुक पोस्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है क्योंकि उसका फेसबुक पेज 24 घंटे पहले हैक कर लिया गया था। हालांकि, स्थानीय पुलिस को जानकारी मिली है कि शकील ने अतीत में भी आपत्तिजनक पोस्ट किए थे और यह जांच की जा रही है कि क्या वह ऐसा कुछ अन्य लोगों के इशारे पर कर रहा था। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

भारत में गलत बाल काटने पर दो करोड़ रुपए का हर्जाना

नई दिल्ली । राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने, आईटीसी मौर्या होटल को गलत ढंग से बाल काटने और सेवा में कमी करने पर, 2 करोड़ रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग को पुनर्विचार करने के लिए मामला भेजा था। आयोग ने पुन: मामले की सुनवाई की। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आरके अग्रवाल, डॉक्टर एसएम कांतिकर की कोर्ट ने मॉडल आसना राय को 2 करोड़ रुपए का भुगतान करने के आदेश दिए हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने इस मामले में सितंबर 2021 को आईटीसी होटल को, उस तारीख से 9 फ़ीसदी ब्याज के साथ मुआवजे के भुगतान करने का आदेश दिया था। जिस की अपील सुप्रीम कोर्ट में की गई थी। होटल में बाल काटने में 1 घंटे से अधिक का समय लगा। बेतरतीब तरीके से बाल काटे गए। जिसके कारण मॉडल को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। भारत में बाल काटने की लापरवाही का यह पहला और सबसे बड़ा मुआवजा है।

गौतम नवलखा को उनकी सुरक्षा पर खर्च हुए 8 लाख जमा करने होंगे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भीमा-कोरेगांव मामले में नजरबंद एक्टिविस्ट गौतम नवलखा से कहा कि वह अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मियों को उपलब्ध कराने के खर्च के रूप में आठ लाख रुपये और जमा करें। जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की पीठ को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने बताया कि कुल 66 लाख रुपये का बिल बकाया है। जिसके बाद जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की पीठ ने नवलखा को ये रकम जमा करने के लिए कहा। पिछले साल 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश में नवलखा को उनकी स्वास्थ्य की स्थिति और वृद्धावस्था को देखते हुए एक महीने की अवधि के लिए घर में नजरबंद रखने की अनुमति दी थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी नजरबंदी को बढ़ा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए कई शर्तें रखी थीं, जिसमें 2.4 लाख रुपये की रकम जमा कराना भी शामिल था। जो उन्हें घर में नजरबंद रखने की सुविधा देने के लिए पुलिस कर्मियों की तैनाती पर राज्य सरकार को खर्च करना पड़ता है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजू को नवलखा की उस याचिका पर दो हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने का भी निर्देश दिया, जिसमें उन्हें मुंबई में पब्लिक लाइब्रेरी से शहर में किसी अन्य जगह पर भेजने की मांग की गई थी। एएसजी ने ये भी कहा कि वह नवलखा के 45 मिनट तक वॉक करने देने के अनुरोध पर निर्देश लेंगे। नवलखा ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी कि उन्हें महाराष्ट्र की तलोजा जेल में न्यायिक हिरासत के बजाय हाउस अरेस्ट में रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने नवलखा पर कई शर्तें लगाई थीं। जिनमें ये भी शामिल था कि वह किसी भी मोबाइल फोन, लैपटॉप, संचार उपकरण या गैजेट का उपयोग नहीं करेंगे। वह ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से दिए गए फोन का उपयोग करेंगे। वह पुलिस की मौजूदगी में दिन में केवल एक बार 10 मिनट के लिए अपने फोन का इस्तेमाल कर सकेंगे। जबकि एनआईए ने नवलखा की याचिका का पुरजोर विरोध करते हुए कहा था कि उनकी हालत में सुधार हुआ है और उन्हें नजरबंद करने की कोई जरूरत नहीं है। गौरतलब है कि भीमा कोरेगांव मामले में कई एक्टिविस्टों के खिलाफ सरकार को गिराने की कथित साजिश के लिए गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दुबई, तुर्की व मलेशिया में जॉब के नाम पर 500 बेरोजगारों को ठगा

-377 भारतीय पासपोर्ट व 6 मोबाइल फोन के साथ 3 आरोपी ठग पकड़ाए

नई दिल्ली । नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली की साइबर थाना पुलिस ने दुबई, तुर्की और मलेशिया में नौकरी लगवाने का झांसा देकर लोगों को ठगने वाले चार लोगों को पकड़ा है। इनके पास से 377 भारतीय पासपोर्ट और अपराध में इस्तेमाल 6 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। दो साल में ठगों ने 500 से अधिक बेरोजगारों को ठगा है। डीसीपी जितेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मंगोलपुरी निवासी रोहित सिन्हा (36), बिरेंद्र सिंह (39), राजमान कुशवाहा (33) और रविंद्र सिंह (39) हैं। यह तीनों देवरिया यूपी के रहने वाले हैं। बेरोजगार युवकों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर यह प्रत्येक युवक से 60 80 हजार रुपये दो साल का वर्क वीजा लगवाने के नाम पर लेते थे। इसके अलावा भी कुछ और रकम यह उनसे ले लेते थे। इस तरह से इन्होंने पीड़ित रंजीत कुमार और चार अन्य बेरोजगारों को विदेश में जॉब दिलाने के नाम पर उनसे ढाई लाख रुपये ले लिए थे। इसके लिए इन्होंने नेताजी सुभाष प्लेस में अल्फा एंटरप्राइजेज के नाम से ऑफिस भी खोला हुआ था। पीड़ितों से पैसे लेने के बाद भी जब विदेश नहीं भेजा गया तो इन्होंने अपने पैसे मांगे। यह यहां से ऑफिस और फोन बंद करके भाग गए। इसकी शिकायत पुलिस में की गई। पुलिस ने पड़ताल करते हुए सबसे पहले मुख्य आरोपी रोहित सिन्हा को पकड़ा। इसके बाद तीन अन्य उत्तम नगर से पकड़े गए, इन्होंने आकाश इंटरनेशनल नाम से लोगों को ठगने के लिए नया ऑफिस खोल लिया था। जिले की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने इस गैंग को पकड़ लिया।

भूकंप से जम्मू-कश्मीर में कांपी धरती, रिएक्टर स्केल पर 4.1 रही तीव्रता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप सुबह 5 बजकर 15 मिनट पर आया और रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई। इसका केंद्र जमीन के अंदर पांच किलोमीटर गहराई में था। इससे पहले 28 अप्रैल को नेपाल में देर रात दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.8 और 5.9 बताई गई थी। इस भूकंप का केंद्र नेपाल के बाजुरा जिले के दाहाकोट में बताया गया। नेपाल के स्थानीय समय के अनुसार नेपाल में भूकंप का पहला झटका करीब 12 बजे के आसपास आया वहीं, दूसरा रात करीब डेढ़ बजे आया था।

कोरोना के मामलों में बड़ी गिरावट, 24 घंटे में 5874 नए केस

नई दिल्ली । भारत में कोरोंना संक्रमितों के मामलों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। जहां एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 5,874 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,49,45,389 पर पहुंच गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 49,015 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में संक्रमण से 25 और मरीजों की मौत के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 5,31,533 हो गई है। इनमें वे नौ लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। दैनिक संक्रमण दर 3.31 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 4.25 फीसदी दर्ज की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल मामलों का 0.11 प्रतिशत है। देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.71 प्रतिशत दर्ज की गई है।

अधिकतर देशों से संबंध अच्छे, चीन के साथ भारत के संबंध असामान्य: एस जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन को लेकर एक बार फिर कहा कि भारत-चीन के संबंध असामान्य हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में चीन ने भारत के साथ सीमा समझौतों की अवहेलना की, जिससे द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ रहा है। स्थायी संबंध एकतरफा नहीं हो सकते और इसमें परस्पर सम्मान होना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी देशों के साथ उसके संबंध बिना शर्तों के आगे बढ़ें।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर डोमिनिकन गणराज्य देश की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर सेंटो डोमिंगो पहुंचे हुए हैं। यहां राजनयिक स्कूल के बच्चों से शुक्रवार को बातचीत करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत ने पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी, संपर्क और सहयोग में बड़े पैमाने पर विस्तार देखा है। हालांकि सीमा पार आतंकवाद के मद्देनजर पाकिस्तान इसका अपवाद बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि भारत के अधिकतर देशों से संबंध अच्छे हैं। चाहे वह अमेरिका, यूरोप, रूस या जापान हो, हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि ये सभी संबंध बिना किसी शर्त पर आगे बढ़ें। हालांकि चीन को लेकर जयशंकर ने कहा कि उससे वर्तमान में हमारे संबंध सामान्य नहीं हैं, क्योंकि वह लगातार सीमा पर उल्लंघन करता रहता है।

दरअसल, पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन लगातार बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती कर आक्रामक व्यवहार दिखाता रहा है। वहीं भारत लगातार इसकी आलोचना करता रहा है। यहां चीन और भारतीय सैनिकों के बीच लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है। 5 मई 2020 को पैंगोंग लेक क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद गतिरोध को खत्म करने के लिए कई राउंड की बातचीत हो चुकी है। चीन में भारत के राजदूत रहे जयशंकर ने कहा कि किसी भी देश के संबंध एकतरफा नहीं हो सकते और इसे बनाए रखने के लिए परस्पर सम्मान होना चाहिए।

विदेश मंत्री ने आगे कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जो दुनिया के देशों की भलाई के लिए सामूहिक समाधानों को बढ़ावा देने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है। इस साल जी-20 की हमारी अध्यक्षता वैश्विक विकास की वास्तविक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए समर्पित है। जयशंकर ने कोलंबिया में एक सम्मेलन में कहा कि लैटिन अमेरिका के चार देशों की उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत के सहयोग के स्तर को और अच्छा करना है। उन्होंने कहा कि आज हमारे बीच सालाना व्यापार 50 अरब डॉलर तक पहुंच रहा है। हमारी कंपनियां ऊर्जा, खनन से लेकर कृषि और ऑटो क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश कर रही हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने डोमिनिकन गणराज्य में भारत के दूतावास का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह द्विपक्षीय सहयोग को एक नया आयाम देगा। बता दें कि विदेश मंत्री सेंटो डोमिंगो की यात्रा पर पहुंचे। दूतावास के उद्घाटन समारोह के दौरान डोमिनिकन के उपराष्ट्रपति समेत कई नेता मौजूद रहे। इस समारोह के बाद जयशंकर ने कहा कि हमारे राजनीतिक संबंध सौहार्दपूर्ण हैं और हम बहुपक्षीय क्षेत्रों में अपने संबंधों को और अधिक मजबूत करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत ने आधिकारिक तौर पर 2022 में सेंटो डोमिंगो में अपना दूतावास स्थापित किया था।

कपिल सिब्बल ने किया पहलवानों के प्रदर्शन का समर्थन

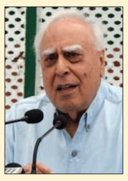

नई दिल्ली । राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को पहलवानों के प्रदर्शन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे पहलवान एक उद्दंड आरोपी का सामना कर रहे हैं और वे किसी की गिरफ्तारी न होने से परेशान हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या मामले में 'ढुलमुल जांच की जा रही है। गौरतलब है कि वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में पहलवानों की पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि प्रदर्शनकारी पहलवानों की दुर्दशा : एक नाबालिग और छह अन्य परेशान, एक उद्दंड आरोपी, मौन पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय), कोई गिरफ्तारी नहीं। ढुलमुल जांच की जा रही?

दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष एवं भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर सात महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन शोषण के आरोपों को लेकर शुक्रवार को दो प्राथमिकी दर्ज कीं। पहली प्राथमिकी एक नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित है, जिसके तहत यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम समेत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप लगाने वाले पहलवानों ने 23 अप्रैल से एक बार फिर अपना आंदोलन शुरू किया।

अराजकता से मुक्त यूपी में अब कानून का राज व सुरक्षा की गारंटी: सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा और अपने कार्यकाल में राज्य में कानून का राज और सुरक्षा की गारंटी होने का दावा किया। उत्तर प्रदेश में 4 मई और 11 मई को होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार कर रहे योगी ने शनिवार को गोरखपुर में व्यापारियों के सम्मेलन को संबोधित किया। वहीं महराजगंज, कुशीनगर और देवरिया जिलों में भी चुनावी सभाओं को संबोधित किया।

गोरखपुर में उन्होंने कहा कि पहले गरीबों की संपत्ति और उनकी जमीनों पर कोई भी गुंडा, माफिया या सत्ताधारी दल का व्यक्ति जबरन कब्जा कर लेता था। आज उत्तर प्रदेश अराजकता से मुक्त हो गया है, प्रदेश में अब कानून का राज है, सुरक्षा की गारंटी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारी बंधु वैचारिक प्रतिबद्धता के साथ खुद को कमल का फूल चुनाव निशान से जोड़ते रहे हैं और लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान स्वतः स्फूर्त भाजपा के समर्थन में रहते हैं, परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि नगर निकाय तीसरा सदन होता है और इसके चुनाव की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए।

लोगों को अधिकाधिक मतदान के लिए प्रेरित करते हुए योगी ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है और यह उत्सव लगना और दिखना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में हर एक वोट की कीमत होती है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए 'डबल इंजन' की सरकार द्वारा किए गए विकास कार्य गिनाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों ने उत्तर प्रदेश की पहचान बदल दी थी, लेकिन अब चारों तरफ खुशहाली है। महाराजगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार पूरे उत्तर प्रदेश में एक समान विकास परियोजनाएं लाकर राज्य को प्रगति के पथ पर ले जा रही है।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा किसी का धर्म, मजहब और जाति नहीं देखती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार ने जाति, धर्म और मजहब के बंटवारे पर पूरी तरह से रोक लगा दी है और वह सबके विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार है, इसलिए विकास कार्य दोगुनी गति से चल रहा है। महराजगंज को ऋषियों, तपस्वियों, साहित्यकारों और कलाकारों की भूमि बताते हुए योगी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में महराजगंज को गुंडागर्दी और तबाही के लिए जाना जाता था, लेकिन अब महराजगंज ने अपना गौरव पुनः हासिल कर लिया है। योगी ने कहा कि एक वक्त था, जब प्रदेश में माफिया सीना तानकर चलता था और व्यापारी झुककर। आज व्यापारी सीना तानकर चलता है और अपराधी सिर झुकाकर, गले में तख्ती लटकाकर जान की भीख मांगता है। योगी ने कहा कि सरकार बदलने पर कैसे परिवर्तन होता है, यह आज हर कोई महसूस कर सकता है। आज हमारे युवाओं को पहचान छिपाने की जरूरत नहीं होती है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले महराजगंज समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के ज्यादातर जिले इंसेफेलाइटिस की चपेट में हुआ करते थे, लेकिन अब इस बीमारी पर काबू पा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है।

डिप्टी सीएम ने सिर पर ईंट रख राम मंदिर के लिए किया श्रमदान

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने रामनगरी अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर में पहुंचकर श्रमदान किया। यहां उन्होंने खुद अपने सिर पर ईंट उठाकर निर्माण कार्य स्थल तक पहुंचाया। श्रमदान के बाद उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य जल्द पूरा होगा और समय से पहले पूरा होगा। उन्होंने कहा कि अगले साल रामलला अपने गर्भगृह में विराजित होंगे। इसके बाद तमाम भक्तगण अपने आराध्य का दर्शन पूजन कर सकेंगे। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को यहां चल रही सभी योजनाओं और परियोजनाओं में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। राम मंदिर के निर्माण कार्य की प्रगति देखने पहुंचे बृजेश पाठक ने ट्रस्ट के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने मंदिर निर्माण में लगे मजदूरों और अन्य कर्मचारियों से भी बातचीत की। उन्होंने यहां काम कर रहे मजदूरों और कारीगरों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि श्रीराम का यह मंदिर खुद भगवान राम और बजरंगबली की इच्छा से हो रहा है और यहां काम कर रहे लोगों का सौभाग्य है कि उन्हें इस कार्य के लिए चुना गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से मंदिर का निर्माण कार्य तेज गति से हो रहा है। यहां हो रहे निर्माण कार्य का खुद पीएम निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समय समय से यहां आकर निरीक्षण भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह मंदिर जब बनकर तैयार होगा तो दुनिया के सामने भारतीय सभ्यता और यहां की संस्कृति का प्रतिबिंब पेश करेगा। दुनिया भर के लोग तेजी से भारतीय परंपरा से जुड़ रहे हैं। मंदिर निर्माण के बाद वह भी अयोध्या आकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर सकेंगे।

डिप्टी सीएम ने कहा कि अयोध्या ना केवल देश और दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक नगरी के रूप में उभर रही है, बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी यह शहर विश्व मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। इससे उत्तर प्रदेश के विकास और पर्यटन को रफ्तार देने में काफी मदद मिलने वाली है।

विरासत में गद्दी तो मिल सकती है, लेकिन बुद्धि नहीं : राज्यमंत्री गंगवार

पीलीभीत (एजेंसी)। सांसद वरुण गांधी और गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के बीच चल रही जुबानी जंग जारी है। रविवार को राज्यमंत्री ने सांसद पर फिर तंज कसते हुए गांधी परिवार पर निशाना साधा है। दरअसल सासंद वरुण गांधी ने गत दिनों क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान राज्यमंत्री के पिता को लेकर टिप्पणी की थी। रविवार को शहर के गौरीशंकर मंदिर परिसर में आयोजित मन की बात कार्यक्रम में भाग लेने के बाद राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार से मौजूद मीडियाकर्मियों ने सांसद की टिप्पणी के बारे में जिक्र किया। राज्यमंत्री ने कहा कि मैं गौरीशंकर धाम में खड़ा हूं, यह पवित्र धाम है। हमारी पार्टी और हमारी सरकार ने बड़े बुजुर्गों की इज्जत करना सिखाया है। मैं उनके पिता जी और दादी जी को नमन करता हूं। लेकिन उनको इस तरह की भाषा बोलना शोभा नहीं देता, जिसकी ताई जमानत पर हो, जिसके जीजा जमानत पर हो, जिसका तहेरा भाई जमानत पर हो। गंगवार ने कहा कि मैं उनकी मां का दर्जा बहुत बड़ा मानता हूं इसलिए उनकी मां के बारे में कुछ नहीं बोलूंगा, लेकिन आप सब जानते हैं कि मौलाना अब्दुल कलाम आजाद फंड का कुछ प्रकरण उनका भी है। मैं एक ही बात कहूंगा कि विरासत में गद्दी तो मिल सकती है, लेकिन बुद्धि नहीं मिल सकती। बस इतना ही कहूंगा।

गौरतलब है कि सासंद वरुण गांधी ने पिछले दिनों क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान आयोजित जनसभा में बगैर नाम लिए कहा था कि जिन लोगों की औकात उनकी चप्पल उठाने की नहीं थी, वे लोग पांच पांच गाड़ियों के काफिले में चल रहे हैं। सासंद का यह बयान इंटरनेट मीडिया पर खूब प्रसारित हुआ। जिसके बाद राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने बीसलपुर में आयोजित सभा में सांसद के बयान का पलटवार करते हुए कहा था कि जो लोग पीलीभीत के लोगों को चप्पल उठाने वाला बता रहे हैं, ऐसे लोगों को जनपद की जनता जबाव देगी।

जब युद्ध का तरीका बदलेगा तो भारत को भी अंतरिक्ष आधारित वेपन सिस्टम की होगी जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भविष्य में जब युद्ध के तौर-तरीके बदलेंगे तो भारत को भी अंतरिक्ष आधारित वेपन सिस्टम की जरूरत होगी। क्योंकि अब सीधे-सीधे सेनाएं भले ही आमने सामने ना हों लेकिन युद्ध का तरीका पूरी तरह से बदल जाएगा। कई विशेषज्ञ इस बात को लेकर चेतावनी दे चुके हैं कि आने वाले समय में स्पेस वॉर इसका अहम हिस्सा होगा। हालांकि चीन और अमेरिका जैसे विकसित देशों ने इसको लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी है। इस बीच भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने शनिवार को कहा कि भारत को भविष्य में अंतरिक्ष आधारित आक्रामक हथियारों की जरूरत है। चौधरी ने कहा बढ़ते हथियारों और प्रतिस्पर्धा के बीच देश को एक पूर्ण सैन्य अंतरिक्ष सिद्धांत रखने का भी आह्वान किया।

आईएएफ प्रमुख ने कहा कि दुनिया के कुछ विकसित देशों का पूरे अंतरिक्ष डोमेन का प्रभावी ढंग से दोहन करने पर जोर है। उन्होंने कहा कि चीन जैसे देश इसे बड़े पैमाने पर आईएसआर (खुफिया, निगरानी और टोही) और संचार उद्देश्यों तक सीमित करने के बजाय घातक अंतरिक्ष और जवाबी हमले के विकास की दिशा में बढ़ रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो चीन ने अंतरिक्ष की ऐसी क्षमताएं विकसित की हैं जिससे अमेरिका भी डर गया है। खास बात है कि एयरफोर्स चीफ के साथ ही चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भी हाल के दिनों में भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में रक्षात्मक और आक्रामक दोनों क्षमताओं को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। एक कॉन्क्लेव में एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि भारत को मिशन शक्ति की सफलता पर आगे बढ़ना चाहिए। मिशन शक्ति के तहत एक एंटी-सैटेलाइट (ए-सैट) इंटरसेप्टर मिसाइल का इस्तेमाल 740 किलोग्राम के माइक्रोसैट-आर उपग्रह को नष्ट करने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में, विशुद्ध रूप से भूमि-आधारित आक्रामक प्रणाली होने के बजाय, हमारे पास अंतरिक्ष-आधारित आक्रामक प्रणाली भी होनी चाहिए। यह जवाबी कार्रवाई में लगने वाले समय को कम करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य अंतरिक्ष-आधारित आक्रामक प्लेटफार्मों में निहित है।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा आने वाले समय में अंतरिक्ष का एरिया फैल जाएगा। युद्ध के अन्य सभी क्षेत्रों में इसका प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका और फ्रांस की वायु सेना का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना को भी आने वाले वर्षों में एयर पावर से एयरोस्पेस पावर में बदलना होगा। गौरतलब है कि चीन ने जनवरी 2007 में अपनी पहली ए-एसएटी मिसाइल का परीक्षण करने के बाद, डायरेक्ट एसेंट मिसाइलों और को-ऑर्बिटल किलर से लेकर डायरेक्टेड-एनर्जी लेज़र, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स वेपन, जैमर और साइबर हथियार तक एंटी-सैटेलाइट हथियार बनाने और तैनात करने की तेज गति तय की है। इसके विपरीत, भारत के पास अभी भी एक एयरोस्पेस कमान नहीं है।

10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में सबसे पुरानी पार्टी को सबक सिखाएगी जनता : सीएम बोम्मई

बैंगलुरु। कर्नाटक में आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की आलोचना करने के लिए कांग्रेस और उसके नेताओं पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शनिवार को कहा कि 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में जनता सबसे पुरानी पार्टी को सबक सिखाएगी। बोम्मई ने एक रैली में कहा कि कांग्रेस नेता कहते हैं कि जो लोग आरक्षण सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, वे भिखारी हैं। क्या एससी, एसटी, ओबीसी और लिंगायत भिखारी हैं? जनता कांग्रेस को सबक सिखाएगी। भाजपा उम्मीदवार एमएस शनिवार को सिरगुप्पा में सोमलिंगप्पा, बोम्मई ने कहा कि सोमलिंगप्पा ने निर्वाचन क्षेत्र का विकास किया है। उन्होंने कहा कि वह भी सिरगुप्पा की तर्ज पर अपने निर्वाचन क्षेत्र का विकास करना चाहते हैं। बोम्मई ने कहा कि विकास कार्यों में एक कॉलेज और कनक भवन शामिल हैं। यह सब भाजपा सरकार के कारण हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की बदौलत 54 लाख किसान किसान सम्मान योजना से लाभान्वित हुए हैं। लगभग 1.5 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड मिला है, 13 लाख घरों का निर्माण किया गया है और 40 लाख घरों में पेयजल कनेक्शन मिला है।

कर्नाटक में वोट फ्रॉम होम, 80 साल से अधिक और दिव्यांगों के लिए चुनाव आयोग की पहल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में इस बार वोट फ्रॉम होम की शुरुआत हो रही है। चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लेते हुए 'वोट फ्रॉम होम' के तहत कर्नाटक में शनिवार से बैलेट पेपर से मतदान शुरू होने की घोषणा की है। चुनाव आयोग ने इस बार 80 साल से ऊपर के लोगों और दिव्यांग लोगों के लिए घर से मतदान करने की अनुमति दी है। चुनाव आयोग और मतदान एजेंटों की पांच सदस्यीय टीम उनके घर का दौरा करेगी और उनसे वोट लेगी। यह प्रक्रिया 29 अप्रैल से छह मई तक चलेगी। आयोग ने कहा कि बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को अपने घरों में गुप्त रूप से मतदान करने के लिए मतपत्र प्रदान किए जाएंगे। मतदान के दौरान दो मतदान अधिकारी, एक माइक्रो ऑब्जर्वर, एक वीडियोग्राफर और पार्टी एजेंट सहित स्थानीय पुलिस मौजूद रहेगी। बैलेट वोटिंग सिस्टम चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मियों और पुलिस कर्मियों की देखरेख में होगा। मतदान समाप्त होने के बाद बैलेट बॉक्स को स्ट्रांग रूम में भेज दिया जाएगा। वोटों की गिनती 13 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अनुपस्थित मतदाताओं का विवरण देगा। इसके तहत पात्र मतदाताओं को मतदान के बारे में पहले से जानकारी दी जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। मतदान के बाद मतपेटी को मतगणना केंद्र के उच्च सुरक्षा कक्ष में भेजा जाएगा।

मतदान प्रक्रिया के दौरान दो वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम को प्रत्येक घर में जाने की अनुमति है। चुनाव आयोग की टीम वरिष्ठ नागरिकों के घर पर जाएगी। अगर ऐसी स्थिति में मतदाता उपस्थित नहीं है तो चुनाव आयोग की टीम दोबारा उनके घर जाएगी, लेकिन अगर दूसरी बार मतदाता घर पर मौजूद नहीं है तो फिर उसे मतदान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ मतदान के दिन अनुपस्थित इन मतदाताओं को मतदान केंद्र पर भी नहीं आने दिया जाएगा। इस नई मतदान व्यवस्था का राज्य में लगभग 5.71 लाख दिव्यांगों और 80 वर्ष से अधिक आयु के 12,15,763 बुजुर्ग वोटरों को फायदा मिलेगा।

निर्वाचन सदन
NIRVACHAN SADAN
भारत निर्वाचन आयोग
ECTION COMMISSION
OF
INDIA

सूरत भूमि सूरत

16 साल की लड़की से 65 साल के मेयर की शादी, सास को नौकरी

न्यूयॉर्क। ब्राजील के अरोकेरिया शहर के मेयर हिसाम हुसैन देहनी ने 16 साल की युवती के साथ कानूनी तौर पर शादी की है। मेयर ने अपनी सास को संस्कृति और पर्यटन विभाग का सचिव नियुक्त कर दिया है। इसी महीने दोनों की शादी हुई थी। उसके बाद सास को नौकरी देने पर विपक्ष,मेयर पर हमलावर हो गया है। ब्राजील में कानूनी रूप से 16 साल की लड़की किसी से भी शादी कर सकती है। मेयर की उम्र 65 साल है। उन्होंने इस उम्र में 16 साल की कन्या के साथ शादी की है। इस शादी की बड़ी चर्चा हो रही है।

संघर्ष-विराम के बावजूद सूडान में ?हिंसा जारी, मृतकों की संख्या में हुई बढ़ोतरी

खार्तूम। सूडान में जारी हिंसा के दौरान मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। गौरतलब है कि सूडान में इन दिनों आंतरिक युद्ध चल रहा है और दो शीर्ष जनरल के बीच संघर्ष-विराम होने के बावजूद देश की राजधानी खार्तूम के कुछ हिस्सों में शनिवार को गोलाबारी और भारी गोलाबारी जारी रही। देश के दो जनरल के बीच सत्ता के लिए होने वाले संघर्ष में सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों को अपना जीवन बचाने के लिए भागना पड़ा है। मृतकों की संख्या पर नजर रखने वालों के मुताबिक, जान गंवाने वाले नागरिकों की संख्या शनिवार को बढ़कर 411 हो गई। समूह ने कहा कि संघर्ष में अब तक 2,023 अन्य नागरिक घायल हुए हैं। इधर संघर्षग्रस्त पश्चिमी दारफुर की प्रांतीय राजधानी जेनेना शहर में हिंसा में 89 लोग मारे गए हैं। जनरल अब्दुल-फतह बुरहान के नेतृत्व में सूडान की सेना और जनरल मोहम्मद हमदान डागलो के नेतृत्व में 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' के बीच सत्ता संघर्ष ने सूडान के लोकतांत्रिक देश बनने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। पूर्वी अफ्रीका के देशों के एक समूह ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत करने की पहल की है और मध्यस्थों का एक समूह योजना को बढ़ावा दे रहा है, जिसमें अफ्रीकी संघ, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और संयुक्त राष्ट्र शामिल हैं। जारी युद्ध के कारण अन्य देशों ने अपने राजनयिक कर्मचारियों और नागरिकों को निकालना जारी रखा हुआ है जबकि हजारों सूडानी सीमा पार भाग गए हैं। ब्रिटेन ने कहा कि वह अपनी निकासी उड़ानें शनिवार को बंद कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि 50,000 से अधिक शरणार्थी पश्चिमी सीमा पार करके चाड, मिस्र, दक्षिण सूडान और मध्य अफ्रीकी गणराज्य में चले गए हैं, जिससे व्यापक अस्थिरता की आशंका बढ़ गई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। निवासियों ने कहा कि शुक्रवार से अंतरराष्ट्रीय दबाव में संघर्षविराम 72 घंटे बढ़ाये जाने के बावजूद शनिवार को राष्ट्रपति महल, सरकारी प्रसारक के मुख्यालय और खार्तूम में एक सैन्य अड्डे के आसपास संघर्ष जारी रहा।

ट्यूनीशिया के तट पर 210 प्रवासियों के शव मिले

ट्यूनीशिया । ट्यूनीशिया के तट रक्षक बल ने कहा है कि उसने दो सप्ताह के भीतर अवैध प्रवासियों के लगभग 210 शव बरामद किए जो समुद्र की लहरों के साथ बहकर आए थे। इस क्षेत्र में बीते कुछ समय में ऐसी घटनाओं में इजाफा हुआ है। किसी अन्य देश में शरण पाने की इच्छा से ये लोग अवैध रूप से ट्यूनीशिया के तट को पार करने की कोशिश कर रहे थे। ट्यूनीशिया के नेशनल गार्ड के हाउसमेडिन जेबाब्ली के अनुसार शवों की प्रारंभिक जांच से संकेत मिले हैं कि प्रवासी उपसहारा अफ्रीका के थे।

मादक पदार्थों की तस्करी मामले में भारतीय मूल के सरगना को सजा

लंदन । ब्रिटेन की एक अदालत ने मादक पदार्थों की तस्करी और धनशोधन के आरोपों को स्वीकार करने के बाद एक गिरोह के भारतीय मूल के सरगना को आठ साल 10 महीने की सजा सुनाई है। ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) ने कहा कि उसके अधिकारियों ने साबित किया है कि दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड स्थित सरे क्षेत्र का रहने वाला 45 वर्षीय राज सिंह एक संगठित अपराध समूह चलाता था। इसने कहा कि गिरोह मादक पदार्थों की तस्करी और धन शोधन में लिप्त था। एनसीए के मुताबिक सिंह मादक पदार्थों और हथियारों को खरीदने और बेचने के लिए 41 वर्षीय वकास इकबाल के साथ मिलकर काम करता था।

अमेरिका के क्लीवलैंड में एक व्यक्ति ने पड़ोसियों पर की फायरिंग, 5 की मौत

ऑस्टिन । अमेरिकी राज्य टेक्सास के क्लीवलैंड में एक व्यक्ति ने राइफल लेकर अपने पड़ोसियों पर गोली चलानी शुरू कर दी, जिससे आठ साल के एक बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना रात में उस वक्त हुई जब मकान के पिछले हिस्से में गोलियां चला रहे व्यक्ति को उसके पड़ोसियों ने गोलीबारी बंद करने को कहा क्योंकि वे उस वक्त सोने का प्रयास कर रहे थे। ह्यूस्टन से करीब 72 किलोमीटर उत्तर में क्लीवलैंड शहर में गोलीबारी की घटना के बाद अधिकारी 39 वर्षीय संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संदिग्ध ने गोलीबारी में एआर राइफल का इस्तेमाल किया। अ ?धिकारी ने कहा कि बहस के बाद पीड़ित परिवार के सदस्य पड़ोसी की दीवार तक चले गए और संदिग्ध को गोलीबारी बंद करने के लिए कहा। केपर्स के अनुसार, संदिग्ध ने उन्हें यह जवाब दिया कि यह उसका परिसर है। मृतकों में तीन महिलाएं हैं। केपर्स ने कहा कि मृतकों की उम्र आठ साल से 40 वर्ष के बीच है। मृतकों में सभी होंडुरास के नागरिक थे। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों की पहचान सोनिया अर्जेंटीना गुजमैन (25), डायना वेलाजक्वेज अल्वाराडो (21), जूलिसा मोलिना रिवेरा (31), जोस जोनाथन कासारेज (18) तथा डेनियल एनरिक लासो (आठ) के रूप में की गई है।

घर में घुसकर पांच लोगों की गोली मारकर हत्या, बंदूकधारी फरार

ह्यूस्टन। दक्षिण-पूर्वी टेक्सास स्थित एक घर में घुसकर 5 लोगों की हत्या कर दी गई। बंदूकधारी द्वारा की गई गोलीबारी में आठ साल के बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि एआर-15 स्टाइल राइफल से लैस एक संदिग्ध अभी भी फरार है। पुलिस अधिकारियों ने लगभग 11:30 बजे स्थानीय समय पर गोलीबारी की जानकरी दी है। सैन जैसिंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, ह्यूस्टन के लगभग 55 मील (89 किमी) उत्तर में क्लीवलैंड में घर में घुसकर किए गए उत्पीड़न के बारे में पुलिस को कॉल आया। सैन जैसिंटो काउंटी के शेरिफ ग्रेग केपर्स ने कहा कि आठ से लेकर लगभग 40 साल के सभी पीड़ित होंडुरास के थे। उन्होंने बताया कि जब पुलिस पहुंची तो वहां कम से कम 10 लोग मौजूद थे। केपर्स के अनुसार, जांचकर्ताओं ने कहा कि उनका मानना है कि संदिग्ध व्यक्ति नशे में था और उसने अपने सामने वाले यार्ड में एआर-15 राइफल से फायरिंग शुरू कर दी। पीड़ित जब चिल्लाए, तब पड़ोसियों ने उन्हें चुप रहने के लिए कहा, क्योंकि वह एक बच्चे को सुलाने की कोशिश कर रहे थे। मीडिया में आई जानकारी के अनुसार लोगों ने देखा कि एक संदिग्ध व्यक्ति शराब पी रहा था और कह रहा था ?कि मैं अपने सामने वाले यार्ड में वही करूंगा, जो करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि इसके बाद संदिग्ध ने घर के अंदर घुसकर गोलीबारी शुरू कर दी। जब हम वहां पहुंचे, तो बेडरूम में दो महिलाएं लेटी हुई थीं और उनकी बगल में तीन छोटे बच्चे सो रहे थे, जो बच गए। हर कोई जिसे गोली मारी गई थी, उसे लगभग निपटाने की शैली में गर्दन पर गोली मारी गई थी, मूल रूप से सिर में। पुलिस ने शूटर की पहचान की है, जो मेक्सिको का एक पुरुष है और उसके घर में दो अन्य हथियार मिले हैं।

लीमा में 1000 साल से अधिक पुरानी ममी की खोज

लीमा ।पेरू के पुरातत्वविदों ने राजधानी लीमा के बाहरी इलाके में 1000 साल से अधिक पुरानी एक ममी की खोजने का दावा किया है। ममी के साथ चीनी मिट्टी के बर्तन, रस्सी और बालों के कुछ टुकड़े भी मिले हैं। यह ममी इंका काल या इंका सभ्यता से पहले की है। ममी संभवत: एक किशोर थी जो कफन जैसे कपड़े में लिपटी हुई एक अंडरग्राउंड मकबरे में मिली है। पुरातत्वविद योमिरा हुआमैन ने कहा कि ममीकृत किशोर बेहद अच्छी तरह संरक्षित स्थिति में पाई गई है। एक समय पर पेरू विभिन्न पूर्व-हिस्पैनिक संस्कृतियों का घर था जो इंका साम्राज्य के सत्ता में आने से पहले फली-फूली थीं। ममी 1100 से 1200 साल पहले जीवित थी और हो सकता है कि उसका संबंध लीमा या इचमा संस्कृतियों से हो।

रुस के सिवासटोपोल इलाके में एक ईंधन डिपो में आग लग गयी। इससे पीछे ड्रोन हमले को जिम्म्मदार माना जा रहा है।

डच की अदालत ने 550 बच्चों के जैविक पिता को शुक्राणु दान करने से रोका

-शुक्राणुदाता पर भावी माता-पिताओं को गुमराह करने का आरोप

एम्सटर्डम । नीदरलैंड की एक अदालत ने विभिन्न देशों में कम से कम 550 बच्चों का जैविक पिता बनने वाले एक व्यक्ति को और शुक्राणु दान करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अदालत ने शुक्रवार को यह आदेश जारी किया। शुक्राणु दान करने वाले व्यक्ति पर भावी माता-पिताओं को इस बारे में भी गुमराह करने का आरोप है कि उसने कितनी संतानों के लिए गर्भधारण करने में मदद की। हेग जिला न्यायालय के एक न्यायाधीश ने व्यक्ति के शुक्राणु की मदद से गर्भधारण करने वाली एक महिला और अन्य माता-पिताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एक फाउंडेशन की याचिका पर यह रोक लगाने का आदेश दिया। ईवा के रूप में अपनी पहचान उजागर करने वाली याचिकाकर्ता महिला ने अदालत के आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस फैसले से सामूहिक (शुक्राणु) दान पर प्रतिबंध लगेगा। हमें अपने बच्चों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहना चाहिए और इस अन्याय के खिलाफ उनकी रक्षा करनी चाहिए। अदालत ने कहा कि नीदरलैंड के दिशा-निर्देशों के तहत शुक्राणुदाता को 12 माताओं को अधिकतम 25 बच्चे पैदा करने के लिए शुक्राणु दान करने की अनुमति है और दाता ने अपने शुक्राणु दान के इतिहास के बारे में भावी माता-पिताओं से झूठ बोला।

जयशंकर ने न्यूजर्सी में भारतवंशियों के साथ सुना 'मन की बात' का 100वां संस्करण

सोमरसेट (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मन की बात' बदलते भारत नये भारत की कहानी है और यह भारत और दुनिया के बीच संपर्क का माध्यम है। जयशंकर ने रविवार को प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 100वें संस्करण का प्रसारण भारतवंशियों के साथ बैठकर सुना। गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डॉमिनिक गणराज्य की अपनी आधिकारिक यात्रा की समाप्ति के बाद यहां आए जयशंकर ने रविवार की सुबह आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उक्त बात कही। जयशंकर ने कहा, ''तमाम पहलुओं से 'मन की बात' की कहानी, पिछले नौ साल की कहानी है, यह बदलते भारत की कहानी है।

यह 'नये भारत' के उभरने की कहानी है, यह भारत और दुनिया के बीच का संपर्क है. आज बदला हुआ भारत है, ज्यादा समझदार भारत है, तमाम मायनों में मैं कहूंगा कि ज्यादा प्रेरक भारत है जो दुनिया से जुड़ रहा है।'' अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू, न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत रणधीर जायसवाल, भारतीय-अमेरिकी सीनेटर केविन थॉमस, भारतीय अमेरिकी एसेम्बली सदस्य जेनिफर राजकुमार और एडिसन के मेयर सैम जोशी सहित भारतीय समुदाय के विभिन्न लोगों ने विशेष प्रसारण को सुना। जयशंकर ने इस दौरान बताया कि कैसे 'मन की बात' के दौरान हुई बातचीत और विचारों ने भारत के लोगों को प्रभावित और प्रेरित किया। विदेश मंत्री ने कहा, ''कोविड के दौरान मेरे लिए 'मन की बात' बहुत खास था क्योंकि उस वक्त देश की जनता को साहस की जरूरत थी, जो उन्हें 'मन की बात' से मिला।

महाराजा चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक के लिए बनाए गए पर्दे पर होंगे राष्ट्रमंडल देशों के नाम

लंदन। लंदन में छह मई को वेस्टमिंटर एबे में महाराजा चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक में सबसे पवित्र धार्मिक रस्म के लिए इस्तेमाल होने वाले कपड़े के पर्दे पर भारत समेत राष्ट्रमंडल के प्रत्येक सदस्य देश का नाम होगा। ब्रिटिश राजशाही के लंदन स्थित आधिकारिक आवास बकिंघम पैलेस ने यह जानकारी दी है। इस सप्ताहांत ''राज्याभिषेक पर्दे'' का अनावरण किया, जिसके बीच में एक पेड़ बना हुआ है और उसकी 56 शाखाओं पर राष्ट्रमंडल देशों के नाम हैं। पैलेस ने कहा कि यह 74 वर्षीय महाराजा के इस संगठन के लिए ''गहरे जुड़ाव'' को दर्शाता है। ऐतिहासिक रूप से महाराजा और ईश्वर के बीच जुड़ाव का क्षण माने जाने वाली यह रस्म ब्रिटिश महाराजा की ताजपोशी से पहले होती है। इस परियोजना के डिजाइनर एडन हार्ट ने कहा, ''डिजाइन का प्रत्येक तत्व ऐतिहासिक राज्याभिषेक तथा राष्ट्रमंडल के पहलुओं के प्रतीक चिह्न के रूप में बनाया गया है, पक्षी सौहार्द्रपूर्ण तरीके से रह रहे एक समुदाय के सदस्यों के बीच खुशी और संवाद को दर्शाते हैं, फरिश्ते और कबूतर पवित्र आत्मा को दर्शाते हैं।'' अभिषेक समारोह के दौरान वेस्टमिंस्टर के डीन एक कलश से पवित्र तेल राज्याभिषेक के लिए बनी चम्मच में डालते हैं और कैंटरबरी के आर्कबिशप महाराजा के हाथों, सीने तथा सिर पर यह तेल लगाते हैं।

एआई को परमाणु हथियार लॉन्च करने से रोकने अमेरिकी सांसदों ने रखा विधेयक का प्रस्ताव

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से चलने वाली स्वायत्त प्रणालियों को अकेले परमाणु हथियार लॉन्च करने से रोकने के लिए एक विधेयक का प्रस्ताव दिया है, क्योंकि एआई द्वारा इसके बारे में निर्णय लेने के संभावित खतरे को लेकर आशंकाएं पैदा हो गई हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीनेटर एडवर्ड मार्के (डी-एमए) और प्रतिनिधि टेड एलयू (डी-सीए), डॉन बेयर (डी-वीए), और केन बक (आर-सीओ) ने अमेरिका में ब्लॉक न्यूक्लियर लॉन्च बाय ऑटोनॉमस एआई एक्ट पेश किया। बिल एक स्वायत्त हथियार प्रणाली का उपयोग करके परमाणु हथियार लॉन्च करने के लिए संघीय धन के उपयोग पर रोक लगाएगा जो सार्थक मानव नियंत्रण के अधीन नहीं है। जानकारी के अनुसार सभी मामलों में, परमाणु हथियार रोजगार शुरू करने और समाप्त करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा निर्णयों को सूचित करने और क्रियान्वित करने के लिए महत्वपूर्ण सभी कार्यों के लिए अमेरिका एक मानवीय लूप बनाए रखेगा। सीनेटरों को लगता है कि यह कांग्रेस की भावना है कि घातक, स्वायत्त परमाणु हथियार प्रणालियों का उपयोग जो सार्थक मानव नियंत्रण के

अधीन नहीं हैं, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का ठीक से पालन नहीं कर सकते हैं और परमाणु हथियार लॉन्च करने का कोई भी निर्णय एआई द्वारा नहीं किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि पहले की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग की रिपोर्ट में स्वायत्त परमाणु हथियारों के लॉन्च पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी, न केवल इसे अमेरिकी सरकार के अंदर होने से रोकने के लिए बल्कि चीन और रूस से समान प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा देने के लिए। एक बड़े पैमाने पर परमाणु युद्ध से जहां लाखों लोगों की मौत हो सकती है, वहीं बड़ी संख्या में लोग विकलांग हो सकते हैं। विधेयक में जोर देकर कहा गया है कि परमाणु कमांड और नियंत्रण प्रक्रिया में अंतरराष्ट्रीय मानवतावादी कानून, मानव नियंत्रण और मानव कानूनी निर्णय का अनुपालन आवश्यक है।

यूक्रेन ने मां काली की आपत्तिजनक फोटो की ट्वीट, गुस्साए जाने के बाद सुधारी गलती

(एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग अब तक पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ कि इसी बीच यूक्रेन ने एक काफी खराब हरकत कर दी है। यूक्रेन ने हाल ही में कुछ ऐसा किया है जो कि भारत और खासतौर से हिंदू समुदाय के खिलाफ है। यूक्रेन के इस कदम से हिंदू धर्म के लोगों की भावनाएं काफी आहत हुई है। इस हरकत के बाद यूक्रेन का सोशल मीडिया पर लोगों ने काफी विरोध किया है। दरअसल यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने एक फोटो शेयर की है जिसमें हिंदू धर्म की पूजनीय मां काली की आपत्तिजनक और अपमानजनक फोटो है। इस फोटो को शेयर करने के बाद अब सोशल मीडिया पर यूजर्स ने यूक्रेन का जमकर विरोध किया है। भारतीय यूजर्स ने इस फोटो लेकर यूक्रेन से माफी मांगने की मांग भी की है। यूजर्स का कहना है कि इस फोटो के जरिए यूक्रेन ने अपनी घटिया मानसिकता जाहिर कर दी है। बता दें कि हाल ही में यूक्रेन की रक्षा मंत्रालय यानी डिफेंस ऑफ यूक्रेन के आधिकारिक अकाउंट से एक पोस्ट हुआ था। इस ट्वीट में भारतीय देवी काली को अभद्र मुद्रा में दिखाया गया था। इस ट्वीट में पोस्ट किया फोटो जल्द ही वायरल हो गया जिसके बाद इस तरह फोटो ट्विट किए जाने की काफी निंदा की गई। इस तस्वीर को देखकर हिंदुओं की भावनाएं भी आहत हुई है। बता दें कि मां काली की ये तस्वीर मर्लिन मुनरो की प्रसिद्ध मुद्रा से मिलती-जुलती थी। वहीं भारत के कई ट्विटर यूजर्स ने इस मामले पर ट्विटर के सीईओ और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर को टैग कर आग्रह किया कि यूक्रेन की इस हरकत के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। बता दें कि ट्विटर पर डिफेंस ऑफ यूक्रेन ने इस फोटो को वर्क ऑफ आर्ट कहकर ट्विट किया था, जिसे देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ने काफी नाराजगी जाहिर की थी।

चुनाव नहीं हुए तो श्रीलंका जैसे हो जाएंगे पाक के हालात: पूर्व पीएम इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के चेयरमैन इमरान खान ने चेतावनी दी है कि अगर चुनाव नहीं हुए तो देश में एक हिंसक विरोध प्रदर्शन होंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव न होने की स्थिति में पाकिस्तान को श्रीलंका जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इमरान ने कहा कि ये मेरी चेतावनी नहीं, बल्कि विश्लेषण है। आम लोग रैलियों में अभी शांत हैं, इस उम्मीद में कि जल्द ही चुनाव हो जाएंगे।

पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर लोगों को वोट देने के अधिकार से वंचित किया गया तो वे सड़कों पर उतर जाएंगे और कोई भी स्थिति को नहीं संभाल सकेगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार अभी भी चुनाव से भाग रही है, उन्हें डर है कि वे हार जाएंगे। इमरान ने कहा कि पाकिस्तान की खराब आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए मैंने अब तक पार्टी के फैसले लिए हैं, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन अगर चुनाव में और देरी होती है तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी।

इमरान ने देश की ओर से उन्होंने पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के सभी न्यायाधीशों से आग्रह किया कि वे अपने मतभेदों को पीछे छोड़कर राष्ट्र के लिए एकजुट हों। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टूटने की कगार पर था। अगर संविधान का उल्लंघन किया गया, जिसकी कोशिश हो रही है तो देश में जंगल राज आ जाएगा। देश अब सुप्रीम कोर्ट की ओर देख रहा है। इमरान खान ने घोषणा की है कि वह इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर में सोमवार को मजदूर दिवस के मौके पर रैली करेंगे। देश में एक साथ चुनाव कराने को लेकर इमरान ने सरकार की ईमानदारी पर संदेह जताया। उन्होंने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के अनुरोध पर सरकार के साथ बातचीत करने के लिए सहमत हुए और हमें पूरी ईमानदारी के साथ बातचीत की मेज पर आना होगा। उन्होंने खुलासा किया कि 2 मई को उनकी टीम बातचीत में शामिल होगी और अगर सरकार 14 मई तक लोकसभा और सभी विधानसभाओं को भंग करने के लिए प्रतिबद्ध है तो वे आगे बढ़ने और एक साथ देश में चुनाव कराने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि बजट के बाद विधानसभा को भंग करने के फैसले को वह नहीं मानेंगे।

शर्मनाक ! पाक में शवों के साथ रेप, बेटियों की कब्र पर ताला लगा रहे माता-पिता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। दुनिया में कई मुल्कों में अभी भी महिलाओं के साथ दरिंदगी थम नहीं रही है। वहीं मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला पाकिस्तान का सामने आया है। पाक में महिलाएं मरने के बाद भी सुरक्षित नहीं हैं, उनके शवों के साथ रेप किया जा रहा है, जिससे उनकी मौत के बाद कब्र पर भी ताला लगाना पड़ रहा है। पाकिस्तान में अपनी बेटियों की मौत के बाद लोग उनकी कब्र पर ताले लगाने को मजबूर हैं। यहां मृत महिलाओं के साथ रेप के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस मुद्दे को उठाया है। इनमें कार्यकर्ता और लेखक हैरिस सुल्तान शामिल हैं। उन्होंने ट्विटर पर एक तस्वीर शेयर करते हुए इस मामले की जानकारी दी।

हैरिस सुल्तान ने द कर्स ऑफ गॉड, वाय आई लेफ्ट इस्लाम नाम से एक किताब लिखी है। हैरिस ने बताया है कि उन्होंने इस्लाम क्यों छोड़ा, अब इस घिनौनी घटना के लिए उन्होंने कट्टर इस्लामी विचारधारा को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने अपने ट्वीट के कैप्शन में लिखा है कि पाकिस्तान ने इतना कामुक, यौन कुंठित समाज बना लिया है कि लोग अब अपनी बेटियों की कब्र पर ताले लगा रहे हैं, ताकि उनके साथ रेप न हो। जब आप बुर्के को बलात्कार से जोड़ते हैं, तो यह आपके पीछे-पीछे कब्र तक जाता है।

मुहम्मद रिजवान यूजर ने कबूल किया था, उसने 48 शवों के साथ किया रेप

पाकिस्तान में 2011 में इसी तरह की बड़ी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया गया था। तब कराची के नजीमाबाद में कब्र की देखरेख करने वाले मुहम्मद रिजवान नामक यूजर ने कबूल किया था कि उसने 48 महिलाओं के शवों के साथ रेप किया है। उसे हिरासत में लिया गया था। वहीं मई 2022 में कुछ अज्ञात पुरुषों ने कब्र से एक टीनेज लड़की का शव निकालकर उसके साथ रेप किया था। ये मामला पाकिस्तान के गुजरात के कामाला गांव से सामने आया था। जिस दिन इस लड़की का शव दफनाया गया, उसी शाम उसके साथ इस घिनौनी घटना को अंजाम दिया गया था।

संपादकीय

आनंद मोहन की रिहाई पर रार

पूर्व सांसद और बिहार के बाहुबली नेता आनंद मोहन की 15 साल बाद जेल से रिहाई पर न केवल बिहार बल्कि देश भर में हंगामा बरपा है। गोपालगंज के जिलाधिकारी डी. कृष्णैया की हत्या में पहले फांसी फिर उम्रकैद की सजा काट रहे आनंद मोहन को बिहार सरकार ने जेल मैनुअल में बदलाव कर रिहा किया है। सरकार ने सरकारी कर्मचारी की हत्या करने वाली धारा हटा दी, जिससे मोहन की रिहाई संभव हो सकी है। सरकार लाख दलील दे कि किसी भी शख्स की रिहाई जेल में उसके आचरण और अनुशासन के आधार पर तय होता है, मगर आनंद मोहन की छवि राज्य में कैसी रही है यह तथ्य जगजाहिर है। यही वजह है कि राज्य में इस मसले पर राजनीति भी जमकर हो रही है। सबसे पहले बसपा प्रमुख मायावती ने राज्य सरकार के फैसले पर तीखी आपत्ति जताई और इसे दलितों के साथ अन्याय बताया। उसके बाद भाजपा की प्रतिक्रिया आई, मगर यहां भी विचारों में अलगाव दिखा। भाजपा के एक सांसद ने जहां आनंद मोहन की रिहाई को गलत बताया वहीं एक अन्य सांसद ने बाहुबली नेता को 'बेचारा' की संज्ञा दे डाली। बहरहाल, आनंद मोहन जिस राजपूत जाति से आते हैं, उसकी पूरे राज्य में तो नहीं मगर वैशाली, रोहतास, भोजपुर और आसपास के चार-पांच जिलों में अच्छा खासा प्रभाव है। इस फैसले से भले राजपूत वोट नीतीश कुमार के गठबंधन को मिलने की आस बढ़ गई हो, मगर यह महागठबंधन के लिए 'एक हाथ ले, दूसरे हाथ दे' जैसा है। चूंकि राज्य की सियासत में जाति का आधार काफी गहरा है और कृष्णैया दलित जाति के थे, लिहाजा जद (यू) गठबंधन को दलित वोट का नुकसान होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। देखना है, इस नुकसान की भरपाई नीतीश और उनका गठबंधन कैसे करेगी? दूसरा यह कि कृष्णैया के परिवारवालों ने जिस तरह सर्वोच्च अदालत जाने की बात कही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मदद मांगी है, उसपर भी नजर रखनी होगी। उधर, आईएएस एसोसिएशन ने भी पूरे प्रकरण में नाराजगी जताई है और उच्च अदालत में अपील की बात कही है, वह भी विचारणीय प्रश्न है। फिलहाल तो आनंद मोहन बाहर आ चुके हैं और अपनी रिहाई का जश्न मना रहे हैं। सियासी गुणा-गणित भी जोरों पर है, सो निश्चित तौर पर बिहार की राजनीति एक बार फिर नये करवट लेती दिख रही है।

निर्मला देशपांडे: शांति, सद्भावना व एकता के लिए समर्पित

निर्मला देशपांडे प्रसिद्ध समाजसेवी और विनोबा की मानस पुत्री थीं। महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात कर जन जन तक पहुंचाने वाली निर्मला देशपांडे का पूरा जीवन संत विनोबा द्वारा बताए गए उद्देश्यों, सिद्धांतों और कार्यों को समर्पित था। आजीवन अविवाहित रहने के संकल्प के साथ वह उसी राह पर चलती रहीं। जीवन भर गरीबों, बेसहारा लोगों के लिए लड़ाई लड़ी।कमजोर लोगों की आवाज बुलंद की। समाज में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के लिए अपना जीवन समर्पित करना कठिन कार्य होता है दूसरों के लिए जीना यह कहावत भी है। गांव, जिला, प्रदेश, देश की सीमाओं को लांघकर दुनिया की समस्याओं का हल ढूंढना जय जगत का स्पष्ट प्रतीक है दीदी निर्मला देशपांडे का जीवन जय जगत की धरोहर थी। निर्मला देशपांडे ग्राम स्वराज्य की प्रतिबिम्ब थीं। विनोबा विचार वाहिका के रूप में दुनिया उन्हें जानती थी। उनके लिए सारे देश अपने थे उन्हें हर देश में बहुत प्यार मिलता था।विनोबा विचार वाहिका के रूप में जिन्हें सारी दुनिया जानती तो थी ही परंतु प्यारी दीदी के रूप में मानती भी थी।दुनिया का कितना भी बड़ा व्यक्ति क्यों न हो हर व्यक्ति उन्हे संबोधन में दीदी ही कहता था।वह एक ऐसी ताकत थी जो दुनिया के किसी उलझे प्रश्न को हल करने के लिए कमर कस लेती थी। 'निर्मला देशपांडे का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने अपने विचारों एवं कार्यों से गांधी-विनोबा के जोड़ने के कार्यो को किया। वे अपने शत्रु से भी मैत्री भाव चाहती थीं इसीलिये गांधी विचार के मूल तत्व संवाद को इन्होंने 'गोली नहीं बोली चाहिए' का रूप देकर विपरीत परिस्थितियों में भी शांति सद्भाव का काम किया।' वे विश्व शाति, राष्ट्रीय एकता, सर्वधर्म समभाव तथा महिला सशक्तीकरण का अग्रणी पक्षधर थीं। उन्होंने संत विनोबा भावे के साथ भूदान आदोलन में लगभग 40 हजार किलोमीटर पदयात्रा की। इस दौरान विनोबा के सभी प्रवचनों को लिपिबद्ध कर 40 खंडों में भूदान गंगा की रचना। उन्होंने पड़ोसी देशों विशेष कर पाकिस्तान के लोगों के साथ मैत्री स्थापित करने के प्रयास किए। अपने जीवन काल में दो बार राज्यसभा की सदस्य मनोनीत हुई। वे पहली भारतीय महिला थी जिन्हें भारत सरकार ने पद्म विभूषण से अलंकृत किया। नागपुर में 19 अक्टूबर, 1929 को जन्मीं निर्मला देशपांडे गांधीवादी विचारधारा से जुड़ी हुईं प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता थीं। इनके पिता साहित्यकार थे। इनके पिता पुरुषोत्तम यशवंत देशपांडे को मराठी साहित्य (अनामिकाची चिंतनिका) में उत्कृष्ट काम के लिए 1962 में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किया गया था। निर्मला देशपांडे ने अपना जीवन साम्प्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिलाओं, आदिवासियों और अवसर से वंचित लोगों की सेवा में अर्पण कर दिया। निर्मला देशपांडे ने अनेक उपन्यास, नाटक, यात्रा तथा वृत्तान्त, विनोबा भावे की जीवनी भी लिखी थी। दीदी निर्मला देशपांडे ने शांति, सद्भावना व एकता के लिए आजीवन किया काम महात्मा गांधी और आचार्य विनोबा भावे की अहिंसक क्रांति के विचार को आत्मसात करके उसे आगे बढ़ाने वाली घर में खुला वातावरण था, जिसमें देश भर की महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों का आना-जाना था और उनके साथ नन्ही निर्मला को संवाद के मौके मिलते थे। नागपुर से ही उन्होंने राजनीति विज्ञान में एम.ए. की पढ़ाई की और यहीं एक महाविद्यालय में प्राध्यापिका बन गईं। समाज के कमजोर, दलित, वंचित, उत्पीड़ित तबकों व महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय और भेदभाव को देखकर उनका मन व्याकुल रहता था और वह अपनी सुख-सुविधाएं त्याग कर संत विनोबा भावे के पवनार स्थित आश्रम में आ गईं। विनोबा भावे के भूदान आंदोलन में उन्होंने 40 हजार किलो मीटर की पैदल यात्रा की। पूरी यात्रा में विनोबा भावे के प्रवचनों को उन्होंने 'भूदान गंगा' के नाम से कई खंडों में संकलित किया। भूदान आंदोलन आजाद भारत का अनोखा अहिंसक आंदोलन था, जिसके अंतर्गत 40 लाख एकड़ भूमि लोगों से दान में प्राप्त करके गरीबों और वंचितों में बांटी गई। विनोबा ने अपने गुरु महात्मा गांधी के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए शांति सेना का गठन किया था, जिसकी कमांडर उन्होंने निर्मला देशपांडे को नियुक्त किया। बाद में वह इंदौर स्थित शांति सेना विद्यालय की निर्देशिका बनीं। निर्मला देशपांडे ने इंदिरा गांधी की मित्र व सचिव के रूप में कार्य किया। दीदी ने हरिजन सेवक संघ की अध्यक्षा के रूप में कार्य किया। अखिल भारतीय रचनात्मक समाज की स्थापना की। आतंकवाद से त्रस्त जम्मू-कश्मीर, 1984 में पंजाब, बिहार में नक्सलवाद और महाराष्ट्र में हिंसा के समय उन्होंने पदयात्राएं निकाल कर शांति का संदेश दिया। गुजरात में नरसंहार के दौरान वहां पहुंच कर पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाया। दीदी निर्मला देशपांडे ने पाकिस्तान के साथ दोस्ती का प्रबल समर्थन किया। इंडो-पाक सोल्जर इनिशिएटिव फॉर पीस इन इंडिया एंड पाकिस्तान की स्थापना की। अनेक देशों में महिला शांति दल का नेतृत्व किया। उनके योगदान के लिए उन्हें राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार व पद्मविभूषण सम्मान प्रदान किया गया। पाकिस्तान सरकार द्वारा उन्हें लोकप्रिय सरकारी सम्मान सितारा-ए-इम्तियाज से नवाजा गया। 1997 से 2007 तक राज्यसभा की सदस्या के रूप में दीदी ने महत्वूपर्ण भूमिका निभाई। देश के राष्ट्रपति पद के लिए भी उनका नाम चलाया गया था। उन्होंने विनोबा भावे की जीवनी लिखकर साहित्य को अमूल्य देन दी।

सूक्ति

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।
- होरेस

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
- धीरूभाई अंबानी

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?
दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

कब सुधरेगें मजदूरों के हालात

रमेश सर्राफ धमोरा

हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनाये।

भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है। मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस 2023 की थीम सकारात्मक सुरक्षा और स्वास्थ्य संस्कृति का निर्माण करने के लिए मिलकर कार्य करें हैं।
भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरुआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 मुल्कों में पहली मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।
किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देश में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।
मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।
महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझें। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। हमारे देश की सरकार भी मजदूर हितों के लिए बहुत बातें करती है। बहुत सी योजनाएं व कानून बनाती है। मगर जब उनको अमलीजामा पहनाने का समय आता है तो सब इधर-उधर ताकने लग जाते हैं। मजदूर फिर बेचारा मजबूर बनकर रह जाता है।
गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने 'काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।
हमारे देश केमजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।
बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।
हमारे देश में आज सबसे ज्यादा काई प्रताड़ित व उपेक्षित है तो वो मजदूर वर्ग है। मजदूरो की सुनने वाला देश में कोई नहीं हैं। कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।
कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।
हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।
हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनाये।

विचार-मंथन

देश के चक्रवर्ती राजा, नरेंद्र मोदी

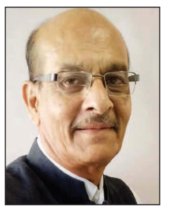

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साबित कर दिया है, कि भय उन्हें छू भी नहीं सकता है। भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिनके अश्वमेध यज्ञ में उनके घोड़े को रोकने का साहस कोई भी नहीं कर पाया।
उन्होंने हर चुनौती का मुकाबला पूरे आत्मविश्वास के साथ किया। सत्ता में हमेशा अपने वर्चस्व को बनाए रखा। उन्हें बड़ी से बड़ी ताकत भी भयभीत नहीं कर पाई। वह जो चाहते हैं, वही करते हैं।
2001 में पहली बार वह गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2002 का गोधरा कांड हुआ। उसके बाद से लगातार वह अग्निपरीक्षा के दौर से गुजर रहे हैं। इस बीच उनको सैकड़ों कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जिसमें उनकी सत्ता जा भी सकती थी। लेकिन वह सभी चुनौतियों को पार कर विजेता बने रहे। गोधरा कांड के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने के लिए भाजपा स्तर पर और मीडिया के स्तर पर बहुत सारे प्रयास हुए। लेकिन मोदी के सामने वह सारे प्रयास विफल हुए। तमाम विरोध के बाद भी वह गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर बने रहे। 2014 में वह जब प्रधानमंत्री बने। तब भी यह माना जा रहा था, कि उन्हें पार्टी के अंदर से चुनौती मिलेगी। चुनौती मिली भी, लेकिन वह अपने ही गुरु लालकृष्ण आडवाणी को पराजित कर चक्रवर्ती राजा बनने की दिशा में आगे बढ़ गये। नरेंद्र मोदी के अश्वमेध यज्ञ को रोकने का साहस पिछले 9 वर्षों में कोई नहीं कर पाया। इस बीच उन्हें बड़ी-बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बहुत बड़े-बड़े आरोप लगे। लेकिन उन्हें छूकर निकल गए, कोई भी उन्हें कमजोर नहीं कर पाया। राजतंत्र में नरेंद्र मोदी की पकड़ इतनी मजबूत है, कि उनके बिना सत्ता और संगठन का एक पत्ता भी नहीं खड़क सकता है। कई ऐसे मौके सामने आए, जब ऐसा लगा कि मोदी को स्वयं और अपनी सत्ता को बचाए रखना बहुत मुश्किल होगा। लेकिन बिना किसी प्र?ति?क्रिया के वह मिली चुनौती का मुकाबला कर सत्ता में अपनी पकड़ को और भी मजबूत बना लिया। वर्तमान में नरेंद्र मोदी के सामने कोई चुनौती देखने को नहीं मिलती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संगठन पूरी तरह से उन के नियंत्रण में है। भाजपा संगठन का कोई भी नेता उन्हें चुनौती देने की ताकत नहीं रखता है। अब भाजपा को वोट नहीं मिलते हैं। वोट नरेंद्र मोदी जी के नाम पर पड़ते हैं। भारत में नरेंद्र मोदी एक संस्था बन चुके हैं। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी लड़-लड़ कर, थककर हताश है। विपक्ष भी पूरी तरह से विभाजित होकर हताशा में मोदी शरणम गच्छामि की आधीनता को स्वीकार करने विवश है। यह स्पष्ट हो चुका है, कि नरेंद्र मोदी की सत्ता को चुनौती देने की स्थिति में, भारतवर्ष में कोई भी योद्धा या राजनेता नहीं है। जो राजनेता हैं, उन्हें मोदी की शरण में जाकर ही अपने आप को बचाये रखना पड़ रहा है। मोदी से लड़कर अस्तित्व बचा पाना संभव नहीं है।
रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 100 वां एपिसोड सारे देश में धूमधाम से मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक में हैं। केंद्र सरकार के मंत्री और भाजपा के बड़े-बड़े नेता वहां पर उपस्थित हैं। कर्नाटक राज्य सहित देश के सभी प्रदेशों में प्रधानमंत्री के मन की बात के कार्यक्रम का आयोजन सभी स्थानों पर दिखाया गया। सरकारी मीडिया के साथ-साथ निजी इलेक्ट्रॉनिक चैनल ने इस कार्यक्रम को प्रमुखता से कवर किया। देश के सारे मीडिया ने मन की बात कार्यक्रम का कवरेज किया है। देश की सभी भाषाओं में इस कार्यक्रम का प्रसारण किया गया है। प्रादेशिक भाषाओं में भी निजी एवं सरकारी प्रचार माध्यम से इस कार्यक्रम को प्रसारित कर उत्सव का माहौल बनाया गया। सरकारी कार्यक्रम के रुप में भाजपा का चुनाव प्रचार इस कार्यक्रम के माध्यम से हुआ। कर्नाटक राज्य के साथ-साथ सारे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को बेहतर बनाते हुए, उनके प्रति आशा, विश्वास एवं प्रेरणा के साथ महान व्यक्ति के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि मन की बात कार्यक्रम से स्थापित हुई है। प्रजा के बीच में राजा की छवि होती है। राजा के प्रति आस्था या उसकी ताकत से राज्य सिंहासन पर पकड़ मजबूत होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह अच्छी तरह से जानते हैं। उन्हें जनता के बीच में अपने आप को किस रूप में ले जाना है। वह किसी भी आलोचना और सत्ता के भय को अपने ऊपर हावी नहीं होने देते हैं। यही उनकी सफलता का सबसे बड़ा कारण है। भारत में निष्पक्ष चुनाव को लेकर टीएन सेशन की भूमिका को आज भी याद किया जाता है। उनके बनाए हुए नियम-कानून और आचार संहिता आज भी लागू है। विपक्ष में बैठे हुए राजनेता पूरी तरह से हताशा की स्थिति में पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने किसी तरह की कोई चुनौती देखने को नही मिल रही है। राहुल गांधी भले पेगासिस, नोटबंदी, गब्बरसिंह टैक्स, (जीएसटी) पुलवामा, गौतम अडानी जैसे बड़े-बड़े मामलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरने का लगातार प्रयास करते रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल की लोकप्रियता सारे देश में बढ़ी। लेकिन वह संसद में अपनी सदस्यता भी नहीं बचा पाए। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि और भी ताकतवर हुई है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान, कर्नाटक के अंदर ही, जिस तरह से मन की बात के कार्यक्रम का प्रसारण कर, सरकारी स्तर पर मतदाताओं को प्रभावित करने का एक अप्रत्यक्ष प्रयास किया गया है। यह तरीका और और नरेंद्र मोदी का साहस, उन्हें जनता के बीच चक्रवर्ती राजा के रूप में स्थापित करने के लिए पर्याप्त है। जनता के बीच में उनकी छवि एक चमत्कारिक राजनेता के साथ-साथ, वह जो चाहें, वह कर सकते हैं। यह छवि जनता के बीच में बनाने में वह सफल हुये हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उनके सामने कोई चुनौती दिख नहीं रही है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का पांसा पलटने के लिए जो रणनीति और कूटनीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनाई है। उसको भेद पाना कांग्रेस या विपक्ष के बस की बात नहीं है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद विपक्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए विवश होना पड़ेगा। वर्तमान स्थिति को देखने से तो यही लगता है। मन की बात का 100 वां एपिसोड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को अजेय बना रहा है।

वैश्विकी

ग्लोबल साउथ का नेता कौन

डॉ. दिलीप चौबे

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इन दिनों ग्लोबल साउथ या तीसरी दुनिया की भूमिका को लेकर चर्चा जारी है। शीत-युद्ध के दौरान तीसरी दुनिया के रूप में उन देशों को शामिल किया गया था, जो अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ के गठबंधनों से अलग रहने वाले देश थे। सोवियत संघ के विघटन के बाद इस शब्द का प्रयोग अप्रासंगिक हो गया। पश्चिमी देशों के विश्लेषक दावा करने लगे कि दुनिया अब एकध्रुवीय हो गई और अमेरिका एकमात्र शक्ति केंद्र है। पिछले 2-3 दशकों के दौरान दुनिया में आए बदलावा के कारण एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था का विचार खोखला साबित हुआ है। चीन अपनी आर्थिक और सैनिक ताकत के बलबूते एक वैकल्पिक ध्रुव के रूप में उभर रहा है। दशकों पहले भारत तीसरी दुनिया की अगुवाई करने वाला प्रमुख देश था। जवाहरलाल नेहरू के रूप में गुट-निरपेक्ष आंदोलन को एक चमत्कारिक नेता मिला था। वर्तमान समय में तीसरी दुनिया के स्थान पर अब 'ग्लोबल साउथ' शब्द का प्रचलन है। इसका आधार मुख्यत: आर्थिक विकास के स्तर पर निर्धारित है। यह विकसित या अमीर देशों के विपरीत विकासशील और गरीब देशों का समूह माना जाता है।

ग्लोबल साउथ का नेता कौन होगाग इसे लेकर चीन और भारत में प्रतिस्पर्धा हो रही है। एक लोकतांत्रिक और मुक्त समाज के रूप में भारत की दावेदारी पुख्ता है। लेकिन अपनी आर्थिक मजबूती के कारण चीन इस समय ग्लोबल साउथ का केंद्र बना हुआ है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे ग्लोबल साउथ के बड़े देश चीन को तवज्जो दे रहे हैं। इतना ही नहीं चीन पर अंकुश लगाने की अमेरिकी रणनीति में भागीदार फ्रांस और जर्मनी जैसे देश भी चीन के साथ सामान्य संबंध बनाए रखने के इच्छुक हैं।
सऊदी अरब और ईरान में राजनयिक मेल-मिलाप कराने में सफलता के बाद चीन का कद और बढ़ गया है। हाल में चीन ने यूक्रेन के युद्ध को समाप्त करने के लिए ऐसी ही पहल की है। ऐसा लगता है कि ग्लोबल साउथ का नेता बनने की होड़ में भारत पिछड़ रहा है। इस हकीकत के ठोस कारण हैं। विकास यात्रा में भारत चीन से कुछ दशक पीछे है। चीन की बराबरी पर आने में उसे लंबा समय लगेगा।
इस महीने भारत दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बन गया है। लेकिन इससे भारत का अंतरराष्ट्रीय कद बढ़ जाएगा ऐसा नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में उपहास करते हुए कहा कि जनसंख्या कितनी हैग यह बेमानी है। जनसंख्या की गुणवत्ता कैसी है यह महद्मवपूर्ण है। इस संबंध में जर्मनी के एक प्रमुख पत्र ने एक कार्टून प्रकाशित किया है जिसमें एक ओर चीन की बुलेट ट्रेन है और दूसरी ओर भारत की खस्ताहाल ट्रेन है जिसकी छत पर सैकड़ों लोग सवार हैं। इस कार्टून की आलोचना करने से जरूरी बात यह है कि इस स्थिति को बदलने के उपायों पर गंभीरता से विचार किया जाए।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की कूटनीतिक सक्रियता के कारण भारत के प्रभाव में बढ़ोतरी हो रही है। फिलहाल यह परस्पर विरोधी देशों के बीच संतुलन कायम करके राष्ट्रीय हितों को बढ़ाने की नीति पर आधारित है। यूक्रेन युद्ध यदि आने वाले दिनों में तेज होता है तो भारत पर किसी एक पक्ष का साथ देने का दबाव होगा। मई और जून महीने की दृष्टि से महद्मवपूर्ण साबित होंगे। अमेरिका और पश्चिमी देशों की सैनिक सहायता के जरिये यूक्रेन यदि जवाबी हमला करता है तो रूस की ओर से प्रभावी प्रतिकार किया जाएगा। इस संघर्ष का विस्तार भी हो सकता है। रूस और नाटो देशों के बीच शक्ति परीक्षण की स्थिति आ सकती है। इन्हीं परिस्थितियों में प्रधानमंत्री मोदी जापान में जी-7 शिखर वार्ता और आस्ट्रेलिया में क्वाड़ शिखर वार्ता में भाग लेने वाले हैं। यूक्रेन युद्ध की छाया में हो रहे इन सम्मेलनों में भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की कड़ी परीक्षा होगी।

भूमिका चावला ने द कपिल शर्मा शो में नहीं बुलाये जाने पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमिका चावला को सलमान खान संग हिट मूवी तेरे नाम में देखा गया था. इस फिल्म को दर्शकों ने काफी ज्यादा पसंद किया था. वहीं भूमिका की मासूमियत का हर कोई दीवाना बन गया था. अब 20 साल बाद एक्ट्रेस किसी का भाई किसी की जान फिल्म में दिखाई दी. यहां उन्होंने पूजा हेगड़े की भाभी का रोल निभाया था. अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपनी स्ट्रगल और रिजेक्शन जर्नी को लेकर बात की. उन्होंने इसपर भी चुप्पी तोड़ी कि उन्हें द कपिल शर्मा शो में इनवाइट नहीं किया गया, न ही उन्हें ये पता चला कि ये एपिसोड कब शूट हुआ.

भूमिका को द कपिल शर्मा शो में नहीं किया गया इनवाइट आरजे सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में, भूमिका चावला ने अपनी लेटेस्ट रिलीज किसी का भाई किसी की जान के प्रमोशन के लिए द कपिल शर्मा शो में आमंत्रित नहीं किए जाने के बारे में बात की. सलमान खान के साथ शहनाज गिल, राघव जुयाल, पलक तिवारी, सिद्धार्थ निगम, पूजा हेगड़े और जस्सी गिल सहित फिल्म के बाकी कलाकार वहां मौजूद थे. अपनी अनुपस्थिति के बारे में बात करते हुए, भूमिका ने कहा, फ्रमुझे पता नहीं था कि इसे कब शूट किया गया था, लेकिन उनके पास कुछ रणनीति रही होगी. मुझे एक सेकंड के लिए बुरा लगा, फिर मुझे लगा कि वेंकटेश सर भी नहीं हैं.

शो में नहीं बुलाये जाने पर लगा था बुरा

भूमिका ने कहा कि फिल्म में हम एक कपल हैं. मैंने अपना कैलकुलेशन किया. चूंकि उन्हें नहीं बुलाया गया था, मैं अकेले में क्या कहूंगी? उन तीन जोड़ों को बुलाया गया था, वे युवा हैं, उनका समीकरण अलग है, तो, मैंने कहा ठीक है. भूमिका ने कहा कि वह चीजों को लंबे समय तक प्रभावित नहीं होने देती हैं और यह उनके अहंकार के कारण है कि वह लोगों से कोई मदद नहीं मांगती हैं.

रफ्तार ने शो पर साधा था निशाना
उन्होंने कहा, अब जब मैं फिल्म करुंगी तो जरूर पीआर हायर करुंगी और अगर मुझे फिल्म मिलेगी तो मैं आज कपिल शर्मा को कॉल करके बोलूंगी. यह पहली बार नहीं है जब कपिल के शो पर किसी सेलेब्रिटी ने हमला किया हो. रफ्तार ने हाल ही में द कपिल शर्मा शो के शोशेबाजी होने के बारे में भी बात की थी. उन्होंने कहा, असल में, क्या होता है, देखा हमने काम किया, वहां जाकर ये दिखाना होता है कि हम बहुत बड़े हैं. रैपर ने आगे कहा, शोशेबाजी है, जनता के सामने इज्जत बन जाती है, बहुत बड़े लगते हैं, घर पर जब मां बाप देखते हैं, वो कहते हैं वो द कपिल शर्मा शो पे आया था, गली-कूचे में हवा बन जाती है, वरना उसका असली दुनिया में मूल्य कुछ नहीं है. लोग इसके बारे में बात करना शुरू कर देते हैं, हालांकि उस व्यक्ति का कोई वास्तविक मूल्य नहीं है.

तेजाब के रीमेक में कार्तिक ने रणवीर को किया रिप्लेस?

बॉलीवुड फिल्म तेजाब के रीमेक में रणवीर सिंह और जाह्नवी कपूर की जोड़ी दिखने की न्यूज थी, जिसके बाद खबर आई कि कार्तिक ने रणवीर को रिप्लेस किया। भूल भुलैया 2 एक्टर ने खुद बताई इसकी सच्चाई....

तेजाब के रीमेक में कार्तिक आर्यन ने रणवीर सिंह को किया रिप्लेस? जाह्नवी कपूर संग करेंगे रोमांस! बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन (अपनी एक्टिंग के साथ ही अपनी दिलकश मुस्कान और बेहतरीन फीमेल फैन फॉलोइंग के लिए भी जाने जाते हैं। कार्तिक आर्यन की फिल्म शहजादा भले ही बॉक्स ऑफिस पर हिट न हुई हो, लेकिन फैन्स को उनके प्रोजेक्ट्स का इंतजार रहता है। इस बीच खबरें सामने आईं कि फिल्म तेजाब के रीमेक में कार्तिक आर्यन नजर आएंगे तो एक्टर ने इस पर रिएक्ट किया और इसे फेक न्यूज बता दिया।

कार्तिक आर्यन ने किया ट्वीट

कार्तिक आर्यन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और वो सिर्फ अपने फोटोज वीडियोज ही शेयर नहीं करते बल्कि साथ ही साथ वो फैन्स के साथ ही इंटेरेक्ट भी करते हैं। वहीं कार्तिक फेक न्यूज को भी देखते ही रोक देते हैं और ऐसा ही कुछ उन्होंने तेजाब के रीमेक की न्यूज के साथ किया। एक एंटरटेनमेंट न्यूज पोर्टल ने दावा किया कि तेजाब के रीमेक में रणवीर सिंह को कार्तिक आर्यन ने रिप्लेस कर दिया है, ऐसे में कार्तिक ने उसे रिट्वीट करते हुए लिखा- ये सही नहीं है।

क्या हैं तेजाब के रीमेक के डिटेल्स

बता दें कि फिल्म तेजाब, साल 1988 में रिलीज हुई थी, जिस में माधुरी दीक्षित, अनिल कपूर, चंकी पांडे और अनुपम खेर लीड रोल में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन एन चंद्र ने किया था। बीते साल इस फिल्म के रीमेक का ऐलान किया गया था और रिपोर्ट्स के मुताबिक इस में रणवीर सिंह के साथ जाह्नवी कपूर नजर आएंगी। कहा गया था कि इस फिल्म को मॉर्डन टच के साथ बनाया जाएगा।

कार्तिक आर्यन के प्रोजेक्ट्स...

कार्तिक आर्यन की आखिरी रिलीज फिल्म शहजादा थी, जो बॉक्स ऑफिस पर जादू नहीं दिखा पाई। इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी कार्तिक आर्यन थे। वहीं उसके बाद वो लव रंजन की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में कैमियो करते दिखे थे और वो दर्शकों को काफी पसंद आया था। बात उनकी अपकमिंग फिल्मों की करें तो कार्तिक आर्यन के पास सत्यप्रेम की कथा है, जिस में वो कियारा आडवाणी संग नजर आएंगे। यही नहीं इसके बाद कार्तिक आर्यन, आशिकी 3, भूल भुलैया 3 और कैप्टन इंडिया में नजर आएंगे।

जिया खान की मौत के मामले में फैसला जल्द आएगा

जिया खान ने बॉलीवुड की सिर्फ तीन फिल्मों में ही काम किया था, लेकिन वो बेहद पॉप्युलर थीं। एक्ट्रेस होने के साथ-साथ वो सिंगर भी थीं। उनका जन्म न्यूयॉर्क में हुआ था और लंदन में पढ़ाई की थी। फिल्मों में किस्मत आजमाने के लिए वो मुंबई शिफ्ट हुई थीं। उन्होंने 2007 में डेब्यू किया था। निशब्द, गजनी और हाउसफुल... बॉलीवुड की तीन फिल्मों में नजर आने वाली एक्ट्रेस जिया खान महज 25 साल की थीं, जब 3 जून 2013 को फ्लैट पर उनकी डेडबॉडी मिली थी। उनकी मौत की खबर ने सभी को सन्न कर दिया था। सुसाइड नोट बरामद हुआ, जिसमें एक्ट्रेस ने आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद जिया की मां राबिया खान ने भी कई इल्जाम लगाए। सूरज गिरफ्तार हुए, लेकिन जमानत पर बाहर भी आ गए। पिछले 10 साल से राबिया अपनी बेटी के लिए न्याय की गुहार लगा रही हैं। उन्होंने दर-दर की ठोकरें खाईं। और अब जाकर इस मामले में अंतिम फैसला आने वाला है।

अपने घर में ये देसी चीजें रखती हैं प्रियंका

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपनी खूबसूरती के साथ- साथ दमदार एक्टिंग के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस जल्द ही एक्शन पैक्ड स्पाई थ्रिलर हॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल में रिचर्ड मैडेन के साथ लीड रोल में नजर आएंगी। सीरीज में प्रियंका और रिचर्ड दोनों जासूस की भूमिका में दिखाई देंगे ,जो एक ग्लोबल स्पाई एजेंसी सिटाडेल के लिए काम करते हैं। दरअसल, देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा से एक बातचीत के दौरान पूछा गया कि क्या अभी भी उन्हें भारत ही अपने घर जैसा लगता है या अब वहां विदेश में घर जैसा लगने लगा है इसका बड़ा ही प्यारा जवाब देते हुए उन्होंने कहा अब वहां में घर बसा लिया है। वहां पर मेरे डॉग्स हैं, मेरी फैमिली है, एक छोटा सा स्वर्ग हमने बना लिया है लेकिन घर तो हमेशा इंडिया ही रहेगा। मैंने अपने घर को खुद सजाया है। जैसे हम दोनों के गठबंधन को मैंने दीवार पर लगा कर रखा है, मेरे मंदिर में बड़ी सी शिवजी की मूर्ती है। निक की तरफ से उनके इंफ्लुएंसर भी हमने घर में रखे हैं। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा दिल से अभी भी देसी ही हैं। रूसो ब्रदर्स द्वारा निर्देशित वेब सीरीज सिटाडेल के एपिसोड्स 28 अप्रैल को स्ट्रीम किये जाएंगे, जिसे दर्शक अंग्रेजी भाषा के अलावा हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में भी देख सकते हैं।

होमी के साथ विश्वास की भावना है जो हमेशा बनी रहती है : डिंपल कपाड़िया

अनुभवी एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया ने निर्देशक होमी अदजानिया के साथ सास, बहू और फ्लेमिंगो में काम करने का अपना अनुभव साझा किया। डिंपल ने कहा, होमी के साथ एक विश्वास की भावना है जो हमेशा बनी रहती है और सास, बहू और फ्लेमिंगो के साथ कहानी अपने आप में अनूठी और लीक से हटकर थी। मुझे पहले विश्वास नहीं हुआ, कि यह वह किरदार है जिसे उन्होंने मेरे लिए लिखा था। वह एक महिला सावित्री की भूमिका निभा रही हैं, जो एक कंपनी चलाती है, जिसका इस्तेमाल वह ड्रग बिजनेस को छिपाने के लिए करती है। वह परिवार की सबसे महत्वपूर्ण महिला है, जिसमें उसकी दो बहुओं और एक बेटी सहित चार महिलाएं हैं। डिंपल ने कहा कि उन्होंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं निभाया है- एक कार्टेल का नेतृत्व करने वाली क्वीनपिन की भूमिका कुछ ऐसी थी जो मैंने पहले कभी नहीं की थी, और मैं इस जटिल भूमिका को पर्दे पर जीवंत करने की चुनौती से उत्साहित थी। निर्देशक के बारे में बोलते हुए, बॉबी एक्ट्रेस ने कहा- होमी उन सबसे सनकी निर्देशकों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है और वह इस सनकीपन को पात्रों और पटकथा में लाते हैं। उन्हें इस बात का स्पष्ट अंदाजा था कि वह किरदार से क्या चाहते हैं और वह कहानी को कैसे बताना चाहते है। मैं प्रोजेक्ट के प्रति उनके जुनून से प्रभावित हूं। कुल मिलाकर, यह किरदार, कहानी और होमी के साथ काम करने के अवसर का संयोजन था जिसने मुझे शो के लिए हां कहा। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित, सीरीज का निर्देशन होमी अदजानिया द्वारा किया गया है और आशीष वर्मा, वरुण मित्रा, उदित अरोड़ा, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा के साथ डिंपल कपाड़िया, राधिका मदान, अंगिरा धर और ईशा तलवार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

राजकुमार संतोषी का छलका दर्द!

फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी की फिल्म गांधी गोडसे - एक युद्ध इसी साल जनवरी में रिलीज हुई थी. हालांकि फिल्म को दर्शकों से उतना अच्छा रिएक्शन नहीं मिला था. इस बीच उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म बैड बॉय को लेकर बात किया. राजकुमार ने बताया कि गांधी गोडसे - एक युद्ध शाहरुख खान की फिल्म पठान के साथ रिलीज करना एक गलती थी. फिल्म के सोलो रिलीज पर राजकुमार से पूछा गया. इसपर उन्होंने कहा कि, गांधी गोडसे - एक युद्ध को पठान के साथ रिलीज करना एक गलती थी. जहां तक बैड बॉय की रिलीज की बात है तो इसकी योजना निर्माता साजिद कुरैशी ने बनाई है. और हां, यह एक अच्छी रिलीज डेट है. गांधी गोडसे - एक युद्ध 26 जनवरी, 2023 को रिलीज हुई थी, जबकि शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की फिल्म पठान 25 जनवरी, 2023 को रिलीज़ हुई थी. ये एक एक्शन से भरपूर फिल्म थी. वहीं, बैड बॉय के बारे में बात करें तो इसमें मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमाशी है. निर्माता साजिद की बेटी अमरीन, नमाशी के अपोजिट है. दोनों को लेकर राजकुमार संतोषी ने कहा, दोनों सेट पर आज्ञाकारी और अनुशासित थे. कुछ समय पहले राजकुमार संतोषी ने अजय देवगन की फिल्म भोला की तारीफ करते हुए कहा था, मैंने अजय देवगन को चार फिल्मों - खाकी, द लीजेंड ऑफ भगत सिंह, हल्ला बोल और लज्जा में निर्देशित किया है. वह एक निर्देशक और बेहतरीन अभिनेता हैं. वह खुद को चरित्र में बदल लेते हैं. वह अपने निर्देशक पर भरोसा करते हैं और हर तरह से जाते हैं. वह अपने सह-अभिनेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए भी समर्थन करते हैं. वह बहुत सुरक्षित अभिनेता हैं.

ड्रग्स केस में फंसी क्रिसन परेरा को मिली जेल से आजादी

कथित ड्रग्स तस्करी मामले में यूएई जेल में बंद एक्ट्रेस क्रिसन परेरा को चार दीवारी से राहत मिल गई है। एक्ट्रेस को जेल से रिहा कर दिया गया है। परेरा पर एक ट्रॉफी में ड्रग्स छुपाकर लाने का आरोप लगा था। हालांकि, बाद में उनके ऊपर लगे सभी आरोप झूठे निकले और आज उन्हें जेल से मुक्त कर दिया गया। बेटी के जेल से रिहा होते ही उनके परिवार की खुशी वापिस आ गई है। हालांकि, एक्ट्रेस को यूएई से इंडिया आने में 48 घंटों वक्त लगेगा। रिपोर्ट्स की मानें तो 27 साल की क्रिसन ने रिहा होते ही सबसे पहले अपने भाई केविन परेरा से बात की। केविन ने क्रिसन के साथ बातचीत वाला वीडियो इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया और कैप्शन में लिखा- क्रिसन रिहा हो गई है, वह अगले 48 घंटों में भारत में होंगी। क्रिसन अपने परिवारवालों से बात करते हुए रो रही है। वहीं, उनकी मां उनसे बात करते हुए कह रही है कि तुम रिहा हो गई हो, यह बहुत ही अमेजिंग है। क्रिसन की मां इस मौके पर बेहद खुश नजर आईं। बता दें, क्रिसन परेरा को 1 अप्रैल को शारजाह एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था। मुंबई क्राइम ब्रांच को बाद में पता चला कि एक डॉग को लेकर हुए झगड़े के बाद एक्ट्रेस को एक बेकरी मालिक ने बदला लेने के लिए फंसाया था। पुलिस ने बेकरी मालिक एंथोनी पॉल और एक बैंक में असिस्टेंट जनरल मैनेजर राजेश बोभाटे को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने क्रिसन परेरा को फंसाने में एंथनी की मदद की थी। शुरुआती जांच में सामने आया था कि डॉग को लेकर एंथनी की बहन का एक्ट्रेस की मां से झगड़ा हुआ था। दोनों एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। पुलिस को संदेह हुआ कि इसी मामले को लेकर एक्ट्रेस को कथित तौर पर ड्रग म्यूल बनाया गया था। एंथोनी ने कथित तौर पर राजेश को एक टैलेंट कंसल्टेंट बनाकर क्रिसन से संपर्क किया और उसे शारजाह में एक वेब सीरीज के ऑडिशन के बारे में बताया। पुलिस ने कहा कि उसने उसे एक ट्रॉफी ले जाने के लिए दी थी, जिसमें उसने ड्रग्स छुपाई थी। इस ट्रॉफी को लेकर क्रिसन को बताया गया कि यह एक ऑडिशन प्रॉप है। इसके बाद एक्ट्रेस को शारजाह में गिरफ्तार कर लिया गया था। काम की बात करें तो क्रिसन परेरा सड़क 2 और बाटला हाउस जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

मई में 12 दिन रहेगा बैंकों में अवकाश

नई दिल्ली । मई 2023 में अलग-अलग मौकों पर कुल 12 दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। इसमें हर रविवार के साथ हर दूसरे और चौथे शनिवार को होने वाला हॉलिडे भी शामिल है। मई के महीने महाराष्ट्र दिवस, बुद्ध पूर्णिमा, महाराणा प्रताप जयंती और इस तरह के कई सारे मौकों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। रिजर्व बैंक हर कैलेंडर वर्ष में बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी करता है। आरबीआई द्वारा जारी हॉलीडे लिस्ट में से कई अवकाश राष्ट्रीय स्तर के हैं। उस दिन पूरे देश में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं कुछ अवकाश स्थानीय या क्षेत्रीय स्तर के होते हैं। उन दिनों को केवल उससे जुड़े राज्यों में ही बैंक शाखाएं बंद होती हैं। इसलिए यह जरूरी नहीं है कि जिस दिन पंजाब में बैंक बंद हो उस दिन महाराष्ट्र में भी बैंको में कामकाज न हो।

अरबों डॉलर की पाकिस्तान एक्सप्रेसवे परियोजना से एडीबी ने खींचा हाथ

इस्लामाबाद । एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) पाकिस्तान में मालिर एक्सप्रेसवे परियोजना से पीछे हट गया है। इसे अपनी प्राथमिकता सूची से हटा दिया है। एक खबर के मुताबिक एडवोकेट अबीरा अशफाक को लिखे एक पत्र में एडीबी कार्यालय ने कहा कि मलिर एक्सप्रेसवे परियोजना अब एडीबी-सहायता प्राप्त परियोजना नहीं है। 15 अप्रैल को सिंध पर्यावरण संरक्षण ट्रिब्यूनल में परियोजना के खिलाफ याचिका हारने के बाद यह घटनाक्रम किसानों के लिए जीत के रूप में आया। न्यायाधिकरण ने सिंध पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (सेपा) द्वारा मालिर एक्सप्रेसवे परियोजना को दी गई पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिका का निस्तारण कर दिया था। इसने परियोजना की अनुमति दी, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए एक समिति गठित करने का आदेश दिया कि परियोजना के कारण कोई पर्यावरणीय क्षति न हो। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मलीर के स्वदेशी किसानों ने 22 सितंबर, 2022 को अबीरा की मदद से परियोजना के खिलाफ एडीबी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी, इसके बाद ऋणदाता ने अक्टूबर में वकील और अन्य लोगों के साथ एक ऑनलाइन बैठक की। उसी महीने, फिलीपींस की एक एडीबी टीम ने पाकिस्तान की अपनी निवासी टीम के साथ कराची का दौरा किया और न्यायाधिकरण में एक्सप्रेसवे के खिलाफ मुकदमा लड़ रहे अधिवक्ता जुबैर अब्रो, शोधकर्ता साद्या सिद्दीकी और स्थानीय निवासी सलमान बलूच से मुलाकात की। नवंबर में, एडीबी ने अपने उत्तरदायित्व तंत्र के हिस्से के रूप में, अबीरा और किसान की शिकायतों को और सुना।

यूपी में इस बार आम का उत्पादन आधा रहने की आशंका

– फलों के राजा पर मौसम की मार, 50 फीसदी फसल हुई खराब

लखनऊ । बेमौसम बारिश और समय से पहले ही पड़ने वाली तेज गर्मी ने इस बार उत्तर प्रदेश में आम का उत्पादन आधा रह जाने की आशंका जताई जा रही है। उत्तर प्रदेश के फल पट्टी क्षेत्र मलिहाबाद-काकोरी के बागवानों के मुताबिक बीते कई सालों के मुकाबले इस बार आम की कीमत खासी ज्यादा रहेगी और यह आम लोगों की पहुंच से दूर हो सकता है। उत्तर प्रदेश में आम की फसल पर संकट बौर आने के साथ ही शुरू हो गया था। पहले तो फरवरी के आखिरी हफ्ते से लेकर आधे मार्च में ही तेज धूप ने बौर पर असर डाला और इसके बाद 16 मार्च से 21 मार्च के बीच हुई मूसलाधार बारिश ने बहुत कुछ बर्बाद कर दिया। फरवरी-मार्च की गर्मी के चलते ही 25-30 फीसदी बौर नष्ट हो गई थी और रही सही कसर बाद में हुई बारिश ने पूरी कर दी। आम के बगीचों के मा ?लिकों का कहना है ?कि अब जो बागों की हालत है उसमें कारोबारियों को घाटे के सिवा कुछ नहीं दिख रहा है। मार्च के आखिरी हफ्ते में हुई जोरदार बारिश के बाद आम के पेड़ों में ब्लैक फंगस की बीमारी लग गई जिसके बाद आधी से ज्यादा फसल नष्ट हो गई है। उनका कहना है कि बारिश के चलते पेड़ों पर हुआ कीटनाशक का छिड़काव भी धुल गया और बीमारी को पनपने का मौका मिल गया। सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ सब ट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर (सीआईएसएच) का अनुमान प्रदेश भर में इस बार 25 फीसदी तो मलिहाबाद में 35 फीसदी तक आम के फसल के खराब हो जाने का है। वैज्ञानिकों का कहना है फल पट्टी क्षेत्र मलिहाबाद-काकोरी में ओला, तेज बारिश व आंधी ने भी काफी नुकसान किया है। इस बार आम के आठ प्रमुख उत्पादक जिलों में नुकसान का जायजा लेने के लिए बनाई गई टीम ने भी सबसे ज्यादा 35 फीसदी नुकसान लखनऊ में तो बाकी जगहों पर करीब 20 से 25 फीसदी का अनुमान लगाया है।

देश के 8 बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि दर मार्च में घटी

मुंबई । देश के 8 बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि दर मार्च में घटकर 5 माह के निचले स्तर 3.6 प्रतिशत पर रह गई। इसे प्रमुख क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। इन 8 में से 7 क्षेत्रों के उत्पादन में वित्त वर्ष 23 के आखिरी महीने में गिरावट आई है। उद्योग विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक कोयला 12.2 प्रतिशत को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में क्रमिक आधार पर वृद्धि कम हुई है। प्राकृतिक गैस 2.8 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पाद 1.5 प्रतिशत, उर्वरक 9.7 प्रतिशत और स्टील 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर पिछले महीने की तुलना में कम हुई है। वही सीमेंट -0.8 प्रतिशत और बिजली - 1.8 प्रतिशत के उत्पादन में पिछले महीने की तुलना में कमी आई है। कच्चे तेल के उत्पादन में लगातार दसवें महीने संकुचन आया है और मार्च में इसके उत्पादन 2.8 प्रतिशत की कमी आई है।

इस महीने विदेशी निवेशकों ने किया 11,631 करोड़ का निवेश

मुंबई । विदेशी निवेशकों ने इस महीने अप्रैल में इस साल का सबसे ज्यादा निवेश किया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में 2023 में भारतीय इक्विटी में 11,631 करोड़ रुपए की अधिकत्तम खरीदारी की है। यह लगातार दूसरा महीना है, जब विदेशी निवेशकों ने पैसा निवेश किया है। आईटी सेक्टर के तकनीकी दिग्गजों में बड़े पैमाने पर बिकवाली होने के बावजूद विदेशी निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई है। सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों ने अप्रैल में लचीला प्रदर्शन दिखाया है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने अप्रैल 2023 में 11,631 करोड़ रुपए की इक्विटी खरीदी। यह कर्ज और कर्ज-वीआरआर उपकरणों में किए गए निवेश से कई गुना अधिक है, जो उक्त महीने में 806 करोड़ रुपए और 1,235 करोड़ रुपए है। विदेशी निवेशकों ने 126 करोड़ रुपए के शेयर बेंचे हैं। एनएसडीएल डाटा के मुताबिक अप्रैल में विदेशी निवेशकों द्वारा मजबूत खरीदारी की गई है। भारतीय बाजार में मोटे तौर पर एफपीआई का निवेश लगभग 13,545 करोड़ रुपए है, जिसमें इक्विटी, कर्ज, कर्ज-वीआरआर आदि शामिल है। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि ऐसा लगता है कि एफपीआई ने हाल के दिनों में भारत में अपनी निवेश रणनीति बदल दी है। इस साल के शुरुआत में निवेशक स्टॉक सेल कर रहे थे लेकिन पिछले दो महीने से खरीदार बढ़ रहे हैं। अप्रैल में सेंसेक्स लगभग 2,121 अंक या 3.60 फीसदी बढ़ा है, जबकि निफ्टी 50 अप्रैल महीने में 705 अंक से अधिक बढ़ा है। साल-दर-साल एफपीआई भारतीय इक्विटी में 14,579 करोड़ रुपए के साथ शुद्ध विक्रेता हैं। 2023 का सबसे अधिक बिकने वाला महीना जनवरी है जहां 28,852 करोड़ रुपए की बिक्री की है, जबकि फरवरी में एफपीआई ने 5,294 करोड़ रुपए की बिकवाली की दर्ज की थी।

अब ट्विटर पर समाचार पढ़ने के लिए ग्राहकों को देने पड़ेंगे पैसे

वाशिंगटन । ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने मीडिया प्रकाशकों के लिए बड़ी घोषणा की है। दरअसल, मस्क के अनुसार ग्राहकों को अगले महीने से ट्विटर पर समाचार पढ़ने के लिए पैसे देने पड़ेंगे। एलन मस्क की योजना के अनुसार अगले महीने से उपयोगकर्ताओं से प्रति लेख के आधार पर शुल्क लिया जाएगा। साथ ही मासिक सब्सक्रिप्शन का भी विकल्प मौजूद रहेगा। इसके लिए यूजर्स को अधिक भुगतान करना होगा। मस्क ने इस बात की जानकारी ट्वीट कर दी है। मस्क ने कहा कि कई लोगों के लिए यह आय का एक महत्वपूर्ण सोर्स बनेगा और उन्हें ग्राहकों के लिए अच्छा कंटेंट तैयार करने में ज्यादा समय लगाने के लिए मजबूर करेगा।

सुप्रीम कोर्ट में सेबी के आवेदन में गड़बड़ी का कोई निष्कर्ष नहीं: अडाणी समूह

नई दिल्ली। अरबपति उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले अडाणी समूह ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय में दिए गए सेबी के आवेदन में किसी भी गड़बड़ी का कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अडाणी के खिलाफ आरोपों की जांच पूरी करने के लिए न्यायालय से छह माह का और समय मांगा है। अमेरिकी शॉर्टसेलर हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में अडाणी समूह पर हेराफेरी से शेयरों की कीमत बढ़ाने और नियामक खुलासे में चूक का आरोप लगाया था। समूह ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया है।

न्यायालय के समक्ष दायर एक आवेदन में सेबी ने कहा, ''वित्तीय गलत बयानी, विनियमों की धोखाधड़ी और / या लेनदेन की धोखाधड़ी से संबंधित संभावित उल्लंघनों का पता लगाने की कार्रवाई को पूरा करने में छह और महीने लगेंगे।'' सेबी को इस संबंध में दो मई को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करनी थी, लेकिन शनिवार को उसने और समय मांगने के लिए अर्जी दी। सेबी ने शनिवार को दायर अपने आवेदन में कहा कि उसे इन मामलों में जहां ''प्रथम दृष्टया उल्लंघन पाए गए हैं'' और जहां ''प्रथम दृष्टया उल्लंघन'' नहीं मिला है, वहां ''विश्लेषण को फिर से सत्यापित करने और अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए'' के लिए छह महीने का और वक्त चाहिए।

सेबी ने अपने आवेदन में कहा कि 12 संदिग्ध लेन-देन की जांच से पता चलता है कि ये 'जटिल हैं और इनमें कई उप-लेनदेन हैं और इन लेनदेन की एक सख्त जांच के लिए सत्यापन सहित विस्तृत विश्लेषण के साथ ही विभिन्न स्रोतों से मिले आंकड़ों को मिलाने की जरूरत होगी।'' अडाणी समूह ने बयान में कहा, ''यह ध्यान रखना उचित है कि उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर सेबी के आवेदन में किसी भी कथित गड़बड़ी का कोई निष्कर्ष नहीं है।'' कुछ हिस्सों में सेबी की जांच में देरी को संदेह के साथ देखा गया। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा और शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी ट्वीट कर सेबी पर सवाल उठाए हैं।

बिहार में पेट्रोल और डीजल सस्ता

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड 76.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 80.33 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। बिहार में पेट्रोल 43 पैसे सस्ता हो गया है। यहां डीजल के दाम में भी 40 पैसे की गिरावट है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतों में 47 पैसे की तेजी हो गई है। हरियाणा में पेट्रोल 24 पैसे और डीजल 23 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल-डीजल के दाम में क्रमश- 34 और 31 पैसे की गिरावट है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। राजस्थान और गुजरात में दाम में कुछ नरमी है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.42 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब?लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनियों में छंटनी का दौर जारी

–कंपनियों ने कर्मचारियों को थमाया नोटिस

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। ।आर्थिक मंदी के कारण ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। इन सभी कंपनियों ने छंटनी की वजह कमजोर आर्थिक अनुमान का हवाला दिया है। पश्चिमी देशों में कुछ कंपनियों ने फिर हजारों एम्पलॉइज को नौकरी से निकाल दिया है। इनमें ड्रॉप बॉक्स, 3एम, क्लब हाउस और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनी शामिल है।

क्लाउड स्टोरेज प्रोवाइडर ड्रॉपबॉक्स ने कहा कि स्लो बिजनेस ग्रोथ के चलते यह कड़ा फैसला लेना पड़ रहा, जिसमें कंपनी छंटनी के जरिए अपनी ग्लोबल वर्कफोर्स में 16 प्रतिशत की कटौती करेगी। 2022 के आखिरी तक कंपनी के पास 3,118 फुलटाइम कर्मचारी थे, जिनमें से 2,583 एम्पलॉइज अमेरिका में हैं। वहीं, कंपनी ने कहा कि उसने अपनी ढ्ढ प्रोजेक्ट्स पर फोकस बढ़ाने के लिए कुछ कर्मचारियों को एक टीम से दूसरी टीम में ट्रांसफर किया है, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बेहतर इस्तेमाल के लिए उसे नई प्रतिभाओं की जरूरत होगी।

छंटनी के जरिए कर्मचारियों को नौकरी से निकालने वाली लिस्ट में मैन्युफैक्चरिंग दिग्गज कंपनी 3एम भी शामिल है। कंपनी ने इस साल जनवरी के बाद फिर छंटनी का ऐलान किया है। इस राउंड में 6,000 से अधिक कर्मचारियों की नौकरी जाएगी।

3एम में छंटनी से प्रभावित एम्पलॉइज की संख्या अब बढ़कर 8,500 हो गई है क्योंकि जनवरी में भी कंपनी ने 2,500 लोगों को जॉब से निकाल दिया था। 2022 के आखिरी तक कंपनी में कर्मचारियों की कुल संख्या 92000 थी लेकिन छंटनी के जरिए कंपनी ने 9 फीसदी कर्मचारियों को निकाल दिया है। सोशल नेटवर्किंग ऐप क्लबहाउस ने भी ऐलान किया है कि वह अपने 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है। कर्मचारियों को भेजे गए मेल में को-फाउंडर पॉल डेविसन और रोहन सेठ ने कहा कि कंपनी की रिस्ट्रक्चरिंग प्रोडक्ट बेस्ड टीम पर फोकस करने के लिए यह कठोर कदम हमें उठाना पड़ा है।

क्लबहाउस छंटनी में प्रभावित कर्मचारियों को सेवरेंस पैकेज, हेल्थकेयर कवरेज, करियर और इमिग्रेश सपोर्ट दिया जाएगा। इसके अलावा कंपनी प्रभावित कर्मचारियों को रिसर्च करने और नई नौकरी मिलने तक कंपनी द्वारा जारी लैपटॉप रखने की अनुमति देने की भी योजना बना रही है। दिग्गज ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजान ने दूसरे राउंड की छंटनी की। इसमें करीब 9,000 कर्मचारी होंगे। यह छंटनी क्लाउड सर्विस ऑपरेशन और एचआर डिपार्टमेंट में होंगी। छंटनी में प्रभावित होने वाला एमेजान वेब सीरीज कंपनी का सबसे प्रॉफिटेबल डिवीजन है, जो बिक्री में वृद्धि को धीमा कर रहा है। एमेजान वेब सीरीजमें जाने वाले नौकरी से दुनियाभर के कर्मचारी प्रभावित होंगे। जिसकी शुरुआत अमेरिका, कनाडा और कोस्टा रिका के कर्मियों से होगी। बता दें कि पिछले साल अक्टूबर-नवंबर से कमजोर ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक के चलते ट्विटर, अमेजन, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट समेत कई कंपनियों ने हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। इसके बाद छोटी टेक कंपनियों में भी छंटनी का दौर शुरू हुआ, जो अब तक जारी है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से 9 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.84 लाख करोड़ बढ़ा

– प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई (एजेंसी)। बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,84,225.43 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 48,238.78 करोड़ रुपए बढ़कर 16,37,408.27 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 31,325.39 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,15,887.19 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 23,472.25 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,40,949.71 करोड़ रुपए रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 21,003.35 करोड़ रुपए बढ़कर 5,28,377.17 करोड़ रुपए रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 19,886.94 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 11,76,750.92 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 18,874.22 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,45,509.68 करोड़ रुपए रहा। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 10,447.1 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,19,662.10 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी बैंक के मूल्यांकन में 8,115.33 करोड़ रुपए का उछाल आया और यह 9,42,052.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 2,862.07 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,09,126.31 करोड़ रुपए रही। इस रुख के ??विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 10,244.22 करोड़ रुपए घटकर 5,76,683.68 करोड़ रुपए रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इन्फोसिस, एसबीआई, एचडीएफसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष में रियल एस्टेट परियोजनाओं पर 4,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में रियल एस्टेट परियोजनाओं पर 4,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी घरों की भारी मांग को देखते हुए अपनी क्रियान्वयन क्षमता बढ़ाना चाहती है। लोढ़ा ब्रांड नाम से अपनी संपत्तियां बेचने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से है। मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक लोढ़ा ने पीटीआई-से बातचीत में कहा कि ब्याज दरें और घरों की कीमतें बढ़ने के बावजूद आवासीय संपत्तियों की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की बिक्री बुकिंग 34 प्रतिशत वृद्धि के साथ 12,014 करोड़ रुपये रही और चालू वित्त वर्ष में कंपनी ने 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ 14,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा है। लोढ़ा ने कहा कि कंपनी ने 4,600 करोड़ रुपये का शुद्ध नकद प्रवाह अधिशेष सृजित किया है, जो जमीन को रियल एस्टेट उत्पादों में बदलने और फिर निर्माण करने के साथ-साथ उसे समय पर बेचने की उसकी 'ताकत' को दर्शाता है। बीते वित्त वर्ष में निर्माण व्यय और 2023-24 के लिए लक्ष्य के बारे में पूछने पर लोढ़ा ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में हमने 3,300 करोड़ रुपये से कुछ ज्यादा विनिर्माण पर खर्च किए।

खाने के तेलों की कीमतों में अधिक आयात से आई गिरावट

– लिवाली कम होने की वजह से कच्चा पामतेल की कीमतें कमजोर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तेल तिलहन बाजार में कारोबार का मिलाजुला रुख देखने को मिला। एक ओर जहां सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तिलहन एवं सोयाबीन दिल्ली तेल और बिनौला तेल कीमतों में मजबूती रही, वहीं दूसरी ओर लिवाली कम होने की वजह से कच्चा पामतेल की कीमतों में गिरावट आई। लिवाली कम होने और भाव ऊंचा बोले जाने के बीच मूंगफली तेल तिलहन, सोयाबीन इंदौर एवं डीगम तेल, पामोलीन एक्स कांडला तेल पूर्वस्तर पर टिके रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तिलहन एवं सोयाबीन दिल्ली तेल और बिनौला तेल कीमतों में सुधार की वजह यह है कि इनके दाम ऊंचे बोले जा रहे हैं, पर वास्तविकता यह है कि सस्ते आयातित तेलों की बहुतायत के बीच इन तेलों के लिवाल बाजार में कम हैं। अधिकांश सरसों और बिनौला की तेल पेराई मिलें बंद हो रही हैं। भाव ऊंचा बोले जाने की वजह से इन तेल तिलहनों में सुधार दिख रहा है। सूत्रों ने कहा कि

देश में सीपीओ का प्रसंस्करण कर पामोलीन बनाने के दौरान लागत बढ़ जाती है, इसलिए सीपीओ के लिवाल नहीं हैं, जिसकी वजह से सीपीओ के दाम टूटे हैं। दूसरी ओर नरम तेल में सूरजमुखी, सोयाबीन इत्यादि बेहद सस्ता होने से पामोलीन टिक नहीं पा रहा है और लिवाली कमजोर रहने के बीच पामोलीन तेल कीमतें पूर्वस्तर पर बनी रहीं।

शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 4,850-4,950 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,750-6,810 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,650 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,520-2,785 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,250 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,550-1,620 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,550-1,660 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,250 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 8,500 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,600 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,800 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 9,850 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 8,950 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,210-5,260 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,960-5,040 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

अयोध्या में आतिथ्य क्षेत्र की कंपनियां कर रहीं होटल खोलने की तैयारी

– ताज, रैडिसन और आईटीसी होटल जैसे प्रमुख पांच सितारा ब्रांड जैसी कंपनियों में लगी होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। देश में धार्मिक तीर्थ स्थल पर्यटन में तेजी और अगले साल राम मंदिर के शुरू होने की उम्मीदों के बीच उत्तर प्रदेश के अयोध्या में आतिथ्य क्षेत्र की कंपनियों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। ताज, रैडिसन और आईटीसी होटल जैसे प्रमुख पांच सितारा ब्रांड, ओयो जैसे सस्ते होटलों के साथ बड़ी संख्या में कंपनियां वहां होटल खोलने की तैयारी कर रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का भविष्य में अयोध्या में 25,000 कमरों का लक्ष्य है। टाटा समूह की आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने दो नई संपत्तियां खोलने की योजना बनाई है। रैडिसन की भी ऐसी ही योजना है। एक अन्य प्रमुख कंपनी आईटीसी होटल्स भी अयोध्या में अवसरों की तलाश में है। अयोध्या मास्टर प्लान-2031 के तहत 2031 तक वहां सालाना चार करोड़ लोगों के आने का अनुमान है। अभी यह आंकड़ा दो करोड़ का है। होटल बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराने वाले मंच ओयो ने 2023 में अयोध्या विकास प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के सहयोग से 50 नई संपत्तियों को जोड़ने की योजना बनाई है। इनमें 25 होमस्टे और 25 छोटे और मध्यम आकार के होटल (10 से 20 कमरों वाले) होंगे। आईएचसीएल के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि आध्यात्मिक पर्यटन, जो प्राचीन काल से भारत में अस्तित्व में है, हाल के दिनों में और लोकप्रिय हुआ है। विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के बाद। अब लोग वास्तविक जीवन के गहरे अर्थ खोजना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बन रहा है और अब अधिक से अधिक लोग वहां आ रहे हैं। ऐसे में अयोध्या में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे, पर्यटन ढांचे की जरूरत होगी। अयोध्या एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। इसे भगवान की जन्मभूमि के रूप में जाना जाता है। आईएचसीएल ने अयोध्या में दो नई संपत्तियों के प्रबंधन के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें विवांता ब्रांड के तहत एक 100 कमरों वाला होटल और दूसरा 120 कमरों वाला जिंजर होटल शामिल है। इन होटल के 36 माह में परिचालन में आने की उम्मीद है।

आरसीबी के खिलाफ घरेलू मैदान पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी सुपर जाइंट्स

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में सोमवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने उतरेगी। सुपर जाइंट्स को इस मैच में घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा।पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत से भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। पंजाब के खिलाफ मैच में जाइंट्स के बल्लेबाजी काइल मायर्स, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन ने आक्रामक रुख अपनाया था जिससे टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। टीम की परेशानी कप्तान लोकेश राहुल के फार्म में नहीं होने से बढ़ गयी है। ऐसे में अब राहुल इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपने प्रशंसकों का उत्साह बनाये रखना चाहेंगे। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो घरेलू पिच पर टीम अधिकतर मुकाबले हारी है और अब वह इस मैच को जीतकर अपने को सही साबित करना चाहेगी।

इससे पहले मोहाली में बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों ने काफी रन बनाये थे पर धीमी पिच से उन्हें परेशानी हुई थी। ऐसे में राहुल और उनकी टीम को इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इससे पहले अच्छी स्थिति में होने के बाद भी 136 रन का छोटा सा लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी थी।

स्पिनरों ने लखनऊ की पिच पर गेंदबाजी का पूरा आनंद उठाया है और स्पिनर रवि बिश्नाई ने अनुभवी अमित मिश्रा के साथ मिलकर टीम के लिए अहम भूमिका निभाई है। वहीं तेज गेंदबाज मार्क वुड की गैरमौजूदगी में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं युवा आवेश खान ने सात मैचों में काफी रन दिये हैं और ऐसे में उनका लक्ष्य अपने आंकड़े बेहतर करना रहेगा।

वहीं दूसरी और विराट कोहली, फाफ डुप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल को इस मैच में अपनी मध्यक्रम ने बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम का मध्यक्रम अब तक अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाया है।

IPL 2023
LUCKNOW SUPER GIANTS
ROYAL CHALLENGERS

टीम प्रबंधन जानता है कि केवल कोहली, डुप्लेसिस और मैक्सवेल के भरोसे ही हर मैच नहीं जीता जा सकता। इसलिए महिपाल लोमरोर, शाहबाज अहमद और अनुभवी दिनेश कार्तिक जैसे बल्लेबाज से अब उसे रनों की उम्मीद है।

आरसीबी का क्षेत्ररक्षण भी अब तक स्तर के अनुरुप नहीं रहा है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हुए पिछले मैच में यह देखने को मिला जब टीम ने कई कैच गिराये जिससे मैच उसके हाथ से निकल गया। इस मैच में भी आरसीबी कप्तानी विराअ कोहली ही संभालेंगे। इसका कारण ये है कि डुप्लेसिस अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं और उन्हें 'इंपेक्ट प्लेयर' के रूप में उतारा जाएगा।

आरसीबी के लिए अब तक मोहम्मद सिराज ने अच्छी गेंदबाजी की है पर उन्हें अन्य तेज गेंदबाजों का साथ नहीं मिला है। हर्षल पटेल को भी गेंदबाजी मिली पर उन्होंने काफी रन दे दिये। उन्हें अपनी गेंदबाजी में सटीकता लानी होगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक रहेगा और दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

लखनऊ सुपर जाइंट्सः लोकेश राहुल (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, कृणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन, नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई और मयंक यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर। विराट कोहली (कप्तान), फाफ डु प्लेसिस , आकाश दीप, फिन एलेन, अनुज रावत, अविनाश सिंह, मनोज भांडगे, माइकल ब्रेसवेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, सिद्धार्थ कौल, महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, वेन पार्नेल, हर्षल पटेल, सुयश प्रभुदेसाई, राजन कुमार, शाहबाज अहमद, कर्ण शर्मा, हिमांशु शर्मा, सोनू यादव, विजयकुमार वैशाक और डेविड विली।

अनिल कश्यप ने वेटरंस राष्ट्रीय टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक जीता

जालंधर। (एजेंसी)। असम के अनिल कश्यप ने रविवार को यहां भारतीय रिजर्व बैंक के सुधीर केसरवानी को हराकर 29वीं राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में 40 वर्ष से अधिक वर्ग का पुरुष एकल खिताब जीता। कश्यप ने केसरवानी को सीधे गेम में 11-6, 11-4, 11-8 से हराया। पचास वर्ष से अधिक वर्ग के पुरुष एकल फाइनल में महाराष्ट्र के मनीष रावत को बेहद करीबी मुकाबले में मलय कुमार ठक्कर ने 11-8, 9-11, 11-7, 7-11, 13-11 से शिकस्त दी।

पुरुषों के 60 वर्ष से अधिक वर्ग के एकल फाइनल में महाराष्ट्र के अनिल रसम ने पंजाब के पंकज शर्मा को 8-11, 11-2, 11-9, 9-11, 11-8 से हराया। महाराष्ट्र के प्रकाश केलकर ने 65 वर्ष से अधिक उम्र का खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में हिमाचल प्रदेश के पीटर डिसूजा को सीधे गेम में हराया। महिलाओं के एकल वर्ग के खिताब पश्चिम बंगाल की चंद्रानी डे गांगुली (40 वर्ष से अधिक) और पंजाब की रिपु दमन (50 वर्ष से अधिक) ने जीते।

'स्ट्रीट' फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए रोनाल्डिन्हो शुरू करेंगे लीग

लॉस एंजिलिस। (एजेंसी)। ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी रोनाल्डिन्हो प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के लिए विश्वव्यापी 'स्ट्रीट सॉकर लीग' शुरू कर रहे हैं। लंबे समय तक बार्सिलोना का प्रतिनिधित्व करने वाले इस खिलाड़ी का खेल भी सड़क और गलियों में शुरू हुआ था और वह चाहते हैं कि इस तरह से खेल से जुड़ने वालों खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का वैश्विक मंच मिले।

आयोजकों ने शनिवार को बताया कि यह वैश्विक स्ट्रीट लीग '2023 के आखिर' में शुरू होगी। शुरुआत में इसमें सोशल मीडिया के जरिये खिलाड़ियों को परखा जायेगा, जहां सभी उम्र के 'स्ट्रीट' फुटबॉल खिलाड़ी प्रतियोगिता की टीमों में से एक में शामिल होने के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ कौशल और खेल के तरीकों का वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

दुनिया भर के प्रमुख शहरों में इसके मैचों और कौशल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में टीमें 'आरजीएसएल (रोनाल्डिन्हो ग्लोब स्ट्रीट टीम) चैंपियंस' के खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। अपने करियर के दौरान दो बार विश्व के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे रोनाल्डिन्हो ने कहा, ''हम मानते हैं कि इस क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं और यह भविष्य के खिलाड़ियों का समर्थन करने का एक शानदार मौका होगा।

आखिरी गेंद पर सिकंदर रजा ने पलट दी बाजी, तीन रन दौड़कर पंजाब को जिताया मैच

मुंबई (एजेंसी)। रविवार को आईपीएल 2023 के 41वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मैच में 4 विकेट से मात दी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 201 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में पंजाब किंग्स ने यह लक्ष्य आखिरी गेंद पर जीत लिया। पंजाब को आखिरी ओवर में 9 रनों की जरूरत थी। ओवर की पहली गेंद पर सिकंदर रजा ने 1 रन भागा और दूसरी गेंद पर शागरूख खान ने बाय का एक रन भाग लिया। इसकी अगली गेंद पर रजा कोई रन नहीं बना पाए, लेकिन इससे अगली दों गेंदों पर रजा ने 2-2 रन दौड़कर पूरे किए। अंतिम गेंद पर 3 रन चाहिए थे और रजा ने गैप में गेंद खेलकर तीन रन दोड़कर पंजाब को जीत दिलाई।

पंजाब की ओर से लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 24 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि कप्तान शिखर धवन ने 15 गेंदों में 28 रन की पारी खेली। इसके बाद अथर्व तायडे ने 17 गेंदों में 13 रन और लियाम लिविंगस्टोन ने 24 गेंदों में 40 रन बनाए। सैम करन ने 20 गेंदो में 29 और जितेश शर्मा 10 गेंदों में 21 रनों की पारी खेली। अंत में शाहरूख खान ने नाबाद 2 और सिकदर रजा ने नाबाद 13 रन बनाए।

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाए थे। चेन्नई की इस धीमी, सूखी और कम उछाल वाली पिच पर डेवॉन कॉनवे ने 52 गेंदों में 16 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 92 रनों की पारी खेली। कॉनवे के अलावा रुतुराज गायकवाड़ ने 31 गेंदों में 37 रनों की पारी खेली। वहीं शिवम दुबे 17 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। मोईन अली 10 और रविंद्र जडेजा 12 रन बनाकर चलते बने। अंत में कप्तान एमएस धोनी ने 4 गेंदों में नाबाद 13 रन बनाए। पंजाब की ओर से गेंदबाजी में सैम करन, अर्शदीप सिंह, राहुल चाहर और सिकंदर रजा चारों गेंदबाजों ने 1-1 विकेट हासिल की।

ज्योति, अर्जुन प्रधान कोच्चि मैराथन में एलीट महिला और पुरुष वर्ग की चुनौती की करेंगे अगुवाई

कोच्चि। राष्ट्रीय चैंपियन ज्योति गावटे और अर्जुन प्रधान सोमवार को यहां कोच्चि मैराथन 2023 में क्रमशः महिला और पुरुष एलीट वर्ग में चुनौती का नेतृत्व करेंगे। मैराथन की शुरुआत यहां के महाराजा कॉलेज ग्राउंड से होगी।मैराथन (42.195 किमी) के अलावा इस दौरान हाफ मैराथन (21.097 किमी), 10 किमी रन और तीन किमी ग्रीन रन की अन्य तीन श्रेणियों में दौड़ का आयोजन होगा। मैराथन में भाग लेने के लिए 20 राज्यों के छह हजार ज्यादा धावकों ने पंजीकरण कराया है। नयी दिल्ली मैराथन की विजेता ज्योति (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दो घंटे 45 मिनट 48 सेकंड) के सामने महिला एलीट वर्ग में अश्विनी जाधव और अर्पिता सैनी की चुनौती होगी। दोनों धावकों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हालांकि तीन घंटे से अधिक का है। पुरुषों के एलीट वर्ग में अर्जुन (सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनदो घंटा 20 मिनट छह सेकंड) को अनिल कुमार यादव, विपुल कुमार और नीरज कुमार मौर्य जैसे धावकों से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। हाफ मैराथन में पुरुषों में अमरजीत सिंह चावला और महिलाओं में लता अलीमचंदानी के प्रदर्शन पर नजरें होगी।चावला दृष्टिबाधित धावक हैं लेकिन उन्होंने 146 हाफ मैराथन और 229 दौड़ में भाग लिया है। लता 60 साल से अधिक की उम्र में विश्व मैराथन मेजर पूरा करने वाली पहली भारतीय महिला है। इस आयोजन की कुल पुरस्कार राशि 10 लाख रुपये है।

फखर के शतक से पाक ने न्यूजीलैंड को दूसरे एकदिवसीय में भी हराया

-सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

रावलपिंडी। फखर जमान के नाबाद शतक 180 रनों की सहायता से पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में 7 विकेट से हरा दिया। इस मैच में कीवी टीम ने पाकिस्तान को जीत के लिए 337 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था जिसे पाक टीम ने फखर के शतक से 48.2 ओवर में हासिल कर लिया। इसी के साथ ही पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में पाक को 2-0 की बढ़त मिल गयी है। इस मैच में फखर की बल्लेबाज आकर्षण का केन्द्र रही। इस बल्लेबाज ने 144 गेंदों में ही 17 चौके और 6 छक्के लगाये। फखर के अलावा बाबर आजम ने 65 व जबकि मोहम्मद रिजवान ने नाबाद 54 रन बनाये। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की ओर से हेनरी शिपले, मैट हेनरी और इश सोढी को एक-एक विकेट मिला। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 336 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिचेल ने 8 चौके और 3 छक्के लगाकर 129 रन बनाए, जबकि कप्तान टॉम लेथम ने 85 गेंदों में 98 रन बनाये। वहीं चैड बोवेस ने भी 51 रनों की अर्ध शतकीय पारी खेली। वहीं अन्य बल्लेबाज नाकाम रहे। पाक की ओर से हारिश रऊफ ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। वहीं एक विकेट नसीम शाह ने लिया।

प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे बनी हुई हैं रॉयल्स, गुजरात, सुपरकिंग्स और सीएसके

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल के 16 वें सत्र के लीग स्तर के आधे से अधिक मैच हो गये हैं। इस सत्र में कप्तान रोहित शर्मा की मुम्बई इंडियंस के अलावा डेविड वार्नर की दिल्ली कैपिटल्स के साथ ही नीतीश राणा की कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए प्लेऑफ की राह कठिन होती जा रही है। वहीं गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जायंट्स, चेन्नई सुपरकिंग्स और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे बनी हुई हैं। कप्तान हार्दिक पंड्या की टाइटंस और लोकेश राहुल की सुपर जायंट्स ने अब तक शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने विरोधियों को कोई अवसर नहीं दिया है। इनमें शामिल देशी और विदेशी सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपरकिंग्स और संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स ने अब तक अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। सीएसके के पास जहां अच्छा बल्लेबाजी क्रम है। वहीं रॉयल्स की गेंदबाजी काफी अच्छी रही है। ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, अजिंक्य रहाणे जैसे घरेलू बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण चेन्नई 2 विदेशी विशषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैदान में है।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स की बल्लेबाजी अच्छी रही है। उसके बल्लेबाज जॉस बटलर, यशस्वी जायसवाल, कप्तान संजू सैमसन, देवदत्त पडिक्कल, शिमरन हेटमायर, ध्रुव जुरेल सभी अच्छे फॉर्म में हैं। वहीं गेंदबाजी में जिस टीम के पास ट्रेंट बोल्ट और संदीप शर्मा के अलावा युजवेंद्र चहल, रविचंद्रन अश्विन, एडम जंपा जैसे स्पिनर हैं। इससे टीम का गेंदबाजी आक्रमण विरोधी टीम के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल बनता जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइटराइडर्स, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल अंक तालिका में 5वें से 10वें नंबर पर तक बनी हुई हैं। इसमें से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास ऊपर आने का अवसर है। टीम के पास बल्लेबाजी में कप्तान फाफ डू प्लेसी, विराट कोहली और ग्लेन मैक्सवेल जैसे बल्लबाज हैं। वहीं गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल, जेसन बेहरनडॉर्फ, डेविड विली, वानिंदु हसरंगा आदि हैं हालांकि टीम का मध्यक्रम कमजोर बना हुआ है जिससे टीम को अपेक्षा के अनुरुप सफलता नहीं मिली है।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप : अब टाईब्रेक से मिलेगा नया विश्व विजेता

2023
DING LIREN
IAN NEPOMNIACHTCHI

अस्ताना, कज़ाकिस्तान । दुनिया को विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2023 का विजेता मतलब 17वां विश्व शतरंज चैम्पियन अब टाईब्रेक के बाद मिलेगा । विश्व शतरंज चैंपियनशिप का 14वां राउंड 7.30 घंटे के मैराथन मुक़ाबले के बाद बेनतीजा रहा। अंतिम राउंड में सफ़ेद मोहरो से खेल रहे चीन के डिंग लीरेन नें रूस के यान नेपोमनिशी के खिलाफ निमजो इंडियन ओपनिंग में कुछ अलग करने की कोशिश की और खेल की 12 वीं चाल में अपने घोड़े को नेपो के राजा की ओर चला खैर नेपो के शानदार बचाव के चलते बाजी धीरे धीरे उनके पक्ष में झुकने लगी और 30वीं चाल में डिंग की हाथी की गलत चाल के बाद ऐसा लगा की नेपो शायद आज विश्व चैम्पियन बन जाएँगे पर इसके बाद नेपो अपनी बढ़त का फायदा नहीं उठा सके और डिंग नें बेहतरीन बचाव किया मैच 90 चालों तक चला और बेनतीजा रहा । अब दोनों के बीच कल पहले 25 मिनट के चार रैपिड मुक़ाबले खेले जाएँगे परिणाम नहीं आने पर पहले 5 मिनट 3 सेकंड के ब्लिट्ज़ के जरिये और फिर भी परिणाम ना आने वाले 3 मिनट +2 सेकंड के ब्लिट्ज़ के जरिये विश्व विजेता का फैसला होगा ।

रोमा और एसी मिलान ने 1-1 से ड्रॉ खेला

मिलान। रोमा और एसी मिलान ने इंजरी टाइम में गोल दागते हुए शनिवार को यहां सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ से दोनों टीम के बीच चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ रोमांचक हो गई है। ट्रैमी अब्राहम ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में जब गोल दागा तो उन्हें लगा होगा कि उन्होंने रोमा की जीत सुनिश्चित कर दी है लेकिन तीन मिनट बाद एलेक्सिस सेलेमेकर्स ने एसी मिलान को बराबरी दिला दी। मिलान और रोमा दोनों के 32 मैच मैच में समान 57 अंक हैं। दोनों टीम के बीच सत्र का पहला मैच भी जनवरी में 2-2 से ड्रॉ रहा था जबकि दोनों का गोल अंतर भी समान है। ऐसे में सत्र में रोमा से आठ गोल अधिक करने के कारण मिलान की टीम चौथे नंबर पर है। शीर्ष चार टीम चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करेंगी।

अब विश्व चैंपियनशिप पर है भारत के मुक्केबाजों की नजर, टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करना मकसद

ताशकंद (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज सोमवार से यहां शुरू हो रही पुरुषों की विश्व चैंपियनशिप के लिए जब रिंग में उतरेंगे तो उनकी कोशिश पिछले सत्र में हासिल किये गये एक कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन करने की होगी। इस प्रतियोगिता से ओलंपिक का कोई कोटा नहीं मिलेगा लेकिन मुक्केबाज सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले विश्व चैंपियनशिप में कड़ी चुनौती का सामना करेंगे। इससे एशियाई खेलों की उनकी तैयारी बेहतर होगी जो पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग स्पर्धा है। ओलंपिक में पुरुषों के लिए संशोधित भार वर्ग 13 से घटाकर सात कर दिये गये हैं। इसमें 51 किग्रा, 57 किग्रा, 63.5 किग्रा, 71 किग्रा, 80 किग्रा, 92 किग्रा, 92 से अधिक किग्रा का भार वर्ग शामिल है।

अमित पंघल की गैरमौजूदगी में भारत की उम्मीदें छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) पर टिकी होंगी। पंघल ने 2019 में देश के लिए पहला रजत जीता था जबकि पिछले सत्र में आकाश कुमार ने देश के लिए इकलौता पदक (कांस्य) जीता था। शिव 2015 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने का स्वाद चख चुके है और वह इस बार अपने पदक का रंग बदलने के लिए बेताब होंगे। शिव के साथ मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और आशीष चौधरी (80 किग्रा) टीम के अन्य अनुभवी खिलाड़ी है। हुसामुद्दीन दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता हैं जबकि आशीष एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता हैं।

आशीष ने तोक्यो ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था। वह दूसरी बार इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे और अपने नाम एक और बड़ा पदक जोड़ना चाहेंगे। भारतीय दल में 2021 विश्व युवा चैम्पियन सचिन सिवाच (54 किग्रा) और हर्ष चौधरी (86 किग्रा) जैसे युवा मुक्केबाज भी हैं जो पहली बार इस वैश्विक स्पर्धा में भाग लेंगे। स्ट्रैंड्जा मेमोरियल रजत पदक विजेता गोविंद साहनी (48 किग्रा) भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे। युवा मुक्केबाज वरिंदर सिंह (60 किग्रा), आकाश सांगवान (67 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा) और सुमित कुंडू (75 किग्रा) की चौकड़ी अपनी दूसरी विश्व चैंपियनशिप में पिछले अनुभव का फायदा उठाकर बेहतर करना चाहेगी। मुक्केबाजों के साथ सीए कुट्टपा की मुख्य कोच के रूप में वापसी हुई है। मार्च में हुई महिला विश्व चैंपियनशिप की तरह इस स्पर्धा में कई देश के मुक्केबाज भाग नहीं लेंगे। रूस के उमर क्रेमलेव की अध्यक्षता वाले अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सिफारिश के उलट इस स्पर्धा में रूस और बेलारूस के मुक्केबाजों को अपने राष्ट्रीय ध्वज के तहत खेलने की अनुमति दी है।

इसके विरोध में ब्रिटेन, यूक्रेन, चेक गणराज्य, कनाडा, आयरलैंड, स्वीडन, पोलैंड और न्यूजीलैंड सहित कुछ अन्य देशों ने इसका बहिष्कार किया है। इन देशों के बहिष्कार के बावजूद 104 देशों के 640 से अधिक मुक्केबाज टूर्नामेंट में मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। इसके स्वर्ण पदक विजेताओं को दो लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। रजत पदक विजेताओं को एक लाख और कांस्य पदक जीतने वाले दोनों खिलाड़ियों को समान रूप से 50,000 डॉलर का इनाम मिलेगा।

भारतीय टीमः गोविंद साहनी (48 किग्रा), दीपक भोरिया (51 किग्रा), सचिन सिवाच (54 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), आकाश सांगवान (67 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), आशीष चौधरी (80 किग्रा), हर्ष चौधरी (86 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक)।

बेनजेमा ही हैट्रिक से मैड्रिड ने अल्मेरिया को 4-2 से हराया

बार्सीलोना। करीम बेनजेमा की पहले हाफ में बनाई हैट्रिक की मदद से रीयाल मैड्रिड ने शनिवार को यहां स्पेनिश लीग में अल्मेरिया को 4-2 से हरा दिया। अल्मेरिया के खिलाफ इस जीत के साथ मैड्रिड की टीम दूसरे स्थान पर बनी हुई है। बार्सीलोना ने इस बीच नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रीयाल बेटिस को 4-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्षपर 11 अंक की बढ़त बरकरार रखी है। मैड्रिड को अगले सप्ताहांत ओसासुना के खिलाफ कोपा डेल रे का फाइनल खेलना है जबकि इसके तीन दिन बाद नौ मई को चैंपियन्स लीग सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी से भिड़ना है। एल्शे ने इस बीच रेयो वालेकानो को 4-0 से हराकर सत्र की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। अंतिम स्थान पर चल रहे एल्शे को रेलीगेशन (निचली लीग में खिसकना) से बचने के लिए अब भी 16 अंक की दरकार है जबकि सिर्फ छह मुकाबले बचे हैं।

भ्रष्टाचार का उदाहरण है हाईटेंशन पावर के नीचे पतरे का शेड

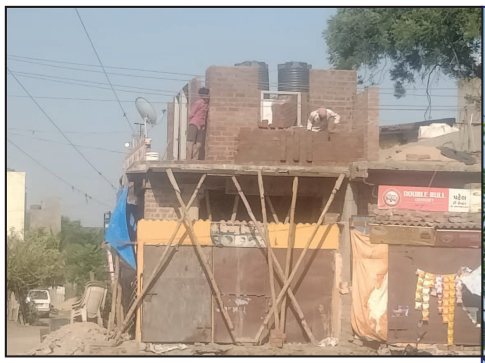

सूरत भूमि, सूरत

लिंबायत जोन के डिंडोली विस्तार में जितेश पार्क सोसाइटी तथा खोडियार नगर सोसायटी मेन रोड पर हाईटेंशन पावर के नीचे बांधकाम किया जा रहा है। जिसकी शिकायत करने पर महानगर पालिका के अधिकारियों ने बताया कि इसमें किसी भाजपा नेता का भलामण है। अफसोस इस बात का होता है कि जो भाजपा सर से लेकर पांव तक गंगाजल से धोकर साफ सुथरा छवि बनाती है देश में लोगों के सामने अपनी स्थिति बताती है उसी जगह अगर इन कार्यों को देखा जाए तो कुछ हल्का-फुल्का डेमोलिशन कर और कहीं बांधकाम रोककर सिर्फ अपनी तिजोरी भरने का काम किया गया है। समझ में नहीं आता यह शहर का विकास है या बहुत बड़ा भ्रष्टाचार। यह तो एक उदाहरण है खोडियार नगर के सामने खेतर वाली जगह ठीक हाईटेंशन पावर के नीचे पतरे को शेड बनाकर और रोड को खोडियार नगर में बढ़ा दिया गया बस्ती भले उजड़ जाए परंतु रिजर्वेशन और खाली जगह में सरकार रोड नहीं बना सकती यह मनपा की कुंठित स्थिति है इससे मालूम पड़ता है । क्या यही सब देश का विकास है और इसी के भरोसे गुजरात को विकास का माडल माना गया है। इससे कुछ दिन पहले की स्थिति अगर अनजाने हो तो दो टूक में समझ ले प्रियंका सोसाइटी में अपार्टमेंट के आजू-बाजू में एक तरफ 8 और दूसरी तरफ 20 दुकानों का निर्माण किया गया है इन दुकानों के निर्माण कार्य में बीजेपी के ऐसे दबंग नेता का हाथ हैं। अधिकारी स्थल पर डेमोलेशन करने जाते थे परंतु नाम मात्र डेमोलेशन करके चले आते थे। फिर भी आज सारी अवैध दुकानें बनकर तैयार हो गई है। इसकी जानकारी मनपा कचहरी, पुलिस स्टेशन यहां तक की गांधीनगर सचिवालय तक मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, शहरी विकास मंत्री, विजिलेंस तक दी गई है फिर भी भ्रष्टाचारियों के ऊपर जरा भी फर्क नहीं पड़ा अब तो अधिकारियों को सीधा बहाना मिल गया है कि हमारे आने से पहले का काम है । हम इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर सकते सरदारों को मजबूर होकर बैठ जाना पड़ रहा है, **इसे कहते हैं हिटलर की सरकार।**

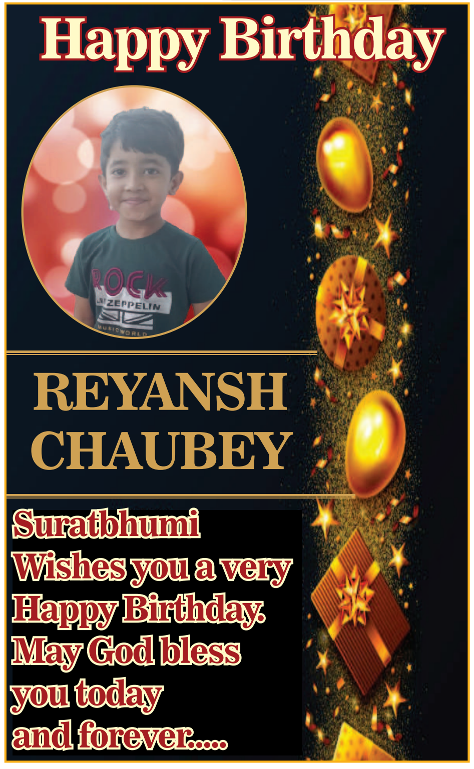
Happy Birthday
REYANSH CHAUBEY
Suratbhumi Wishes you a very Happy Birthday. May God bless you today and forever.....

मुख्यमंत्री ने अमृत काल के प्रथम गुजरात स्थापना दिवस की बधाई दी

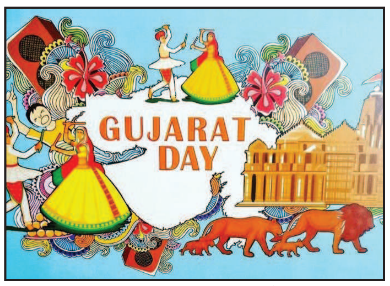

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 1 मई, गुजरात स्थापना दिवस पर गुजरात सहित विश्व भर के गुजरातियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने गुजरात गौरव दिवस की बधाई देते हुए कहा कि 1 मई हमारे गुजरात का गौरवपूर्ण स्थापना दिवस है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री और विश्वनेता श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम अमृतकाल मना रहे हैं, अमृतकाल का यह पहला गुजरात गौरव दिवस विशेष महत्व का गौरव दिवस है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 1 मई 1960 को गुजरात एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया और खमीर और ज़मीर प्रकट कर डगलु भर्यु के ना हटवु (कदम उठाया फिर न हटना) की कवि नर्मद की पंक्ति चरितार्थ कर विकास मार्ग पर दृढ़तापूर्वक कदम बढ़ाए हैं।चाहे भूकंप हो, बाढ़ का प्रकोप हो या फिर कोरोना की महामारी, गुजराती लोगों ने हर आपदा का डटकर सामना किया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में विकास की एक नई परिभाषा दी है। विकास कैसा होता है, विकास की राजनीति कैसी होती है गुजरात द्वारा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास के रोल मॉडल राज्य के रूप में देश और दुनिया को बतानेका उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपार विश्वास और भरोसा रखकर गुजरात के विकास की इस यात्रा को जारी रखने के लिए जनता जनार्दन ने प्रचंड जनादेश दिया है। इसके लिए हम आप सभी के इस प्रेम का नतमस्तक होकर ऋण स्वीकार करते है। गौरवशाली स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुजरात की जनता को विश्वास दिलाया और कहा कि जनता ने हम पर जो भरोसा और विश्वास जताया है उसे हम व्यर्थ नहीं जाने देंगे और हमने जो वादे किए हैं उन्हें हम पूरा करेंगे। गुजरात का मान-सम्मान बढ़ायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई ने गुजरात को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के लिए हर क्षेत्र में विकास की पराकाष्ठा को पार कर मेहनत की पराकाष्ठा रची है।उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दर्शाए गए विकास के इस राजमार्ग को और अधिक उन्नत बनाने में टीम गुजरात कोई कसर नहीं छोड़ेगी। गुजरात के सपूत आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विश्व की पाँचवी सबसे अधिक इकोनॉमी वाला देश बनने की बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि2027 तक भारत को पाँच ट्रिलियनअमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का प्रधानमंत्री ने आह्वान किया है। उनके हर आह्वान की तरह जन समर्थन और जनता जनार्दन के आशीर्वाद से हम सब इस आह्वान को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं देश की कुल जीडीपी में गुजरात का शेयर 8.36 प्रतिशत है और मुख्यमंत्री ने आने वाले वर्षों में इसे 10 प्रतिशत से अधिक करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस सरकार द्वारा इस वर्ष 3 लाख करोड़ का सबसे बड़ा ऐतिहासिक बजट देने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आने वाले वर्षों में गुजरात में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्राकृतिक खेती ग्रामीण विकास, युवा रोजगार के हर क्षेत्र में विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाओं का निर्माण करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईज़ ऑफ लिविंग हो या ईज़ऑफ डूइंग बिजनेस, गुजरात ने डबल इंजन सरकार के दोहरे लाभ के साथ विकास की गति को तेज़ बनाया है। मुख्यमंत्री ने सरकार के अपने शासन के प्रथम 100 दिनों के भीतर आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम के अंतर्गत 80 हजार करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर करने की उल्लेखनीय उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हरित विकास के लिए जो प्रतिबद्धता दिखाई है, उसमें भी गुजरात गुजरात के कच्छ में 40 हजार करोड़ रुपएकी ग्रीन अमोनिया परियोजना के साथ अग्रसर रहने के लिए तैयार है।उद्योग और व्यापार के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र का भी गुजरात के लिए विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, सफ़ेद रण, विश्व धरोहर स्थल धोळावीरा, गिर वन, सोमनाथ-द्वारका तथा शिवराजपुर जैसे प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए हम अगले पांच वर्षों में 8,000 करोड़ रुपये की पर्यटन विकास सुविधा खड़ी करने जा रहे है। गुजरात को विकास के हर क्षेत्र में अव्वल बनाने तथा प्रथम स्थान दिलाने के लिए संकल्पबद्ध होने का अनुरोध करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के विकास की मजबूत नींव रखी तथा विकास की बुलंद इमारत से गुजरात ने पूरे विश्व में ख्याति प्राप्त की है। उन्होंने अमृतकाल में आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। आज के गुजरात गौरव दिवस पर हम सब मिलकर आत्मनिर्भर भारत के लिए और आत्मनिर्भर गुजरात तथा गुजरात के विकास के लिए खुद को समर्पित करने हेतु संकल्पबद्ध हो।

मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के 'मन की बात' के 100वें कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को शीलज गाँव में घाटलोडिया विधानसभा परिवार के साथ सहभागी होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' के ऐतिहासिक 100वें कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन-जन तक पहुँचने के लिए 1 अक्टूबर 2014 विजयादशमी के दिन मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात के माध्यम से नागरिकों के साथ संवाद भी करते हैं। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 100वें ऐतिहासिक कार्यक्रम में देशवासियों को संबोधित किया तथा विभिन्न राज्यों के नागरिकों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मन की बात देशवासियों की सकारात्मकता का एक अनोखा पर्व बन गया है। उन्होंने कहा किमन की बात जिस विषय के साथ जुड़ा है यह जन आंदोलन बन गया है और आप लोगों ने ही इसे बनाया है।उन्होंने कहा कि'मन की बात' ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के प्रसाद की थाली जैसा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेकहा कि मन की बात उनके लिए आध्यात्मिक यात्रा बन गई है। मन की बात स्वयं से समष्टि तक की यात्रा है। मन की बात अहम से वयम तक की यात्रा है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मन की बात ने उन्हें सामान्य नागरिकों से जुड़ने का मंच दिया। इसके अलावा मन की बात करोड़ों भारतीयों के मन की बात है। यह भारतीयों की भावनाओं का प्रकटीकरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अटूट विश्वास दर्शाते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। इस वर्ष हम आज़ादी के अमृतकाल में आगे बढ़ रहे हैं तथा G-20 की अध्यक्षता भी कर रहे हैं। इस अवसर पर स्थायी समिति के अध्यक्ष हितेश बारोट व पार्षदों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

24 घंटों में गुजरात की 92 तहसीलों में बेमौसमी बारिश

अहमदाबाद।

गुजरात में बेमौसमी बारिश का एक और दौर शुरू हो गया है। अप्रैल महीने में राज्य में अषाढ जैसे माहौल बना हुआ है और बेमौसमी बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य की 92 तहसीलों में बेमौसमी बारिश होने की खबर है। सबसे अधिक बारिश ध्रोल और सिहोर तहसील में हुई है। इन दोनों तहसीलों में 2 ईंच जितनी बारिश दर्ज हुई है। इसके अलावा गोंडल में 1.50 ईंच, मोरबी में 1.50 ईंच, जामनगर में 1.50 ईंच, भावनगर में 1.50 ईंच, वंथली में 1.25 ईंच, जूनागढ़ में 1.25 ईंच, बगसरा में 1 ईंच, जामकंडोरणा में 0. 15 ईंच, अमरेली में 0. 15 ईंच, कोटडासांगाणी में 0. 15 ईंच, बाबरा में 0. 15 ईंच, भेंसाण में 0. 15 ईंच, मेंदरडा में 0. 15 ईंच बारिश दर्ज हुई है। दूसरी ओर मौसम विभाग ने आगामी चार दिन राज्य में बेमौसमी बारिश की भविष्यवाणी की है। आज राज्य के अहमदाबाद, गांधीनगर, आणंद, खेडा, दाहोद, वडोदरा, छोटाउदेपुर, नर्मदा, डांग, सूरत, नवसारी, बोटाद, वलसाड, तापी, दमण, जामनगर, भावनगर और कच्छ में बारिश होने की संभावना है। सोमवार को साबरकांठा, अरवल्ली, पोरबंदर, द्वारका और कच्छ में बेमौसमी बारिश हो सकती है। मंगलवार को बनासकांठा, अरवल्ली, साबरकांठा, डांग, तापी, अमरेली, भावनगर, गिरसोमनाथ और कच्छ में तथा बुधवार को बनासकांठा, मेहसाणा, पाटण, साबरकांठा, गांधीनगर, अरवल्ली, अहमदाबाद, दाहोद, डांग, तापी, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ, बोटाद और कच्छ में बेमौसमी बारिश होसकती है। मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने भी मई महीने में बेमौसमी बारिश को लेकर भविष्यवाणी की है। अंबालाल के मुताबिक मई महीने में बेमौसमी बारिश का दौर जारी रहेगा। आज से गुरुवार तक राज्य के विभिन्न जिलों में बेमौसमी बारिश हो सकती है। इतना ही नहीं मई महीने में आंधी-तूफान की भी संभावना है। बंगाल के उपसागर में 10 से18 मई के दौरान चक्रवात की संभावना है। 25 मई से 10 जून के बीच भी अरब सागर में चक्रवात की संभावना के चलते तटीय क्षेत्र में बेमौसमी बारिश हो सकती है। इस दौरान सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भारी तथा कच्छ में भी बारिश की संभावना है।

स्थानीय पुलिस की सहायता से जनमंगल कल्याण सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जन जागृति कार्यक्रम का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के गोड़ादरा विस्तार में गोड़ादरा पुलिस स्टेशन के पीएसआई जयप्रकाश तिवारी एवं एचडी चौधरी को साथ लेकर जनमंगल कल्याण सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी संस्था के सचिव सुनील शुक्ला , राजबहादुर मिश्रा तथा व्यापार मंडल के अध्यक्ष उमेश मिश्रा, शिक्षा विभाग के मंत्री विकास पाठक, उप व्यवस्थापक मंत्री बृजेश ओझा, सदस्य लाल बाबू यादव, धर्मेंद्र यादव जैसे लोगों की सहयोग से संस्था अपने जन जागृति कार्यक्रम में सफलता प्राप्त कर रही है और इसमें संस्था को स्थानीय पुलिस का अच्छा सहयोग प्राप्त हो रहा है। हमारे संवाददाता को संस्था के अध्यक्ष अवधेश मिश्रा ने बातचीत के दरमियान बताया कि आज शहर के हर विस्तार में लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है शिकायत करने पर पुलिस को भी परेशान होना पड़ता है। इसलिए लड़कियों को आत्मनिर्भर अपनी सुरक्षा करने के लिए ट्रेनिंग देने का काम हमारी संस्था के पुलिस की सहायता से अथवा पुलिस के द्वारा हर सोसाइटी में घूम घूम कर दिया जा रहा है। जिस तरह से आज गोड़ादरा की देवी दर्शन सोसाइटी में जनजागृति कार्यक्रम के अंतर्गत लड़कियों को ट्रेनिंग दी गई। जिससे वह खुद अपनी सुरक्षा कर सकें लोगों को इस योग्य बनाने का काम हमारी संस्था द्वारा किया जा रहा है और आगे हम धीरे-धीरे संपूर्ण शहर में इस कार्यक्रम का आयोजन करते रहेंगे। आप हमारे इस संदेश को शहर के लोगों तक पहुंचाइए और लोगों को जागरूक करिए कि हमारे कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग ले और अपनी सुरक्षा के लिए ट्रेनिंग ले और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

30 अप्रेल 2023 को स्मीमेर हॉस्पिटल में जन कल्याण सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा ब्लड कैंप का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के सहारा दरवाजे पर स्थित स्मीमेर हॉस्पिटल में 30 अप्रेल 2023 को जनमंगल कल्याण सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा ब्लड कैंप का आयोजन किया गया था। आयोजन का मुख्य मकसद हॉस्पिटल में गरीब तबके के मरीजों को अल्पाहार वितरण करना था। संस्था के सहयोगी सचिव सुनील शुक्ला जी, प्रभाकांत उपाध्याय मंडल अध्यक्ष डिंडोली, श्री शंकर शुक्ला जी मंडल अध्यक्ष विस्तार ,श्री संतोष मिश्रा जी मंडल अध्यक्ष उधना, अवधेश मिश्रा जी संस्था मंत्री शिक्षा विभाग, सत्यम राजपूत जी प्रचार मंत्री, राजेश सिंह जी , मनोज शुक्ला, श्री वींद्रें सिंह मंडल अध्यक्ष आठवां, धर्मेंद्र यादव जी तथा अन्य सहयोगियों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाया गया । हमारे संवाददाता से संस्था के अध्यक्ष अवधेश मिश्रा ने बातचीत किया और यह जानकारी दिया कि आज हॉस्पिटल के अंदर तमाम ऐसे लोग भी आते हैं जिनकी देखरेख करने वाला भी कोई नहीं रहता ऐसी स्थिति में अगर किसी को ब्लड की जरूरत है जान बचाने के लिए तो समय पर ब्लड की व्यवस्था नहीं हो पाती इसलिए हम हमारे ट्रस्टीयों की सहायता से ब्लड कैंप का आयोजन कर जितना अधिक से अधिक हो सके अपना ब्लड डोनेट करने का आयोजन किए हैं और साथ ही साथ हॉस्पिटल के मरीजों को अल्पाहार का भी वितरण कर रहे हैं । यह सेवा मैं पहले से करता आ रहा हूं और जब तक ऊपर वाले की मर्जी होगी तब तक मैं असहाय लोगों की सहायता करता रहूंगा यह मेरा दृढ़ संकल्प है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)